वार्षिक रिपोर्ट

और परीक्षित लेखा
वर्ष 2023-2024 के लिए

सालार जंग संग्रहालय
हैदराबाद

वार्षिक रिपोर्ट
और
लेखापरीक्षित लेखा
2023 - 2024

विषयवस्तु

क्रम सं	विवरण पृष्ठ	संख्या
1.	संग्रहालय का संक्षिप्त इतिहास और विकास	3
2.	नवाब मीर यूसुफ अली खान बहादुर सालार जंग III	5
3.	संग्रहालय की वर्तमान स्थिति	6
4.	दीर्घाएं, भंडार, पांडुलिपियां, दर्शक सुविधाएं	7
5.	संग्रहालय के उद्देश्य और कामकाज	22
6.	सालार जंग संग्रहालय बोर्ड और उप-समितियाँ	25
7.	वित्तीय स्थिति, एक नज़र में	31
8.	कार्यकलाप, अस्थायी प्रदर्शनियाँ, विशेष वार्ता, कार्यक्रम	32
9.	दस्तावेजीकरण और डिजीटलीकरण	45
10.	विकास कार्य और दीर्घाओं का पुनःसंगठन	47
11.	वार्षिक लेखा	48
12.	लेखा परीक्षा रिपोर्ट	76-82

सालार जंग संग्रहालय
संग्रहालय का संक्षिप्त इतिहास और विकास

हैदराबाद का सालार जंग संग्रहालय विश्व के यूरोपीय, एशियाई और सुदूरपूर्व देशों के विभिन्न कलात्मक उपलब्धियों का भंडार है। इस संग्रह का बड़ा हिस्सा सालार जंग III के नाम से मशहूर नवाब मीर यूसुफ अली खान ने संगृहित किया था। इसमें कुछ दुर्लभ वस्तुएँ उनके दादा नवाब मीर तुराब अली खान, सर सालार जंग-I द्वारा एकत्र की गई थी। एक मनमोहक और संग्रहालय की प्रतिष्ठित संपदाओं में से एक संगमरमर की मूर्ति "वील्ड रेबेका", को सालार जंग-I द्वारा रोम से सन् 1876 में खरीदा गया था। परिवार की इसी परंपरा और कलात्मक वस्तुओं को प्राप्त करने का निजी उत्साह तीन पीढ़ियों तक जारी रहा। सालार जंग III ने 1914 में, एच.ई.एच., निज़ाम के प्रधान मंत्री के पद त्यागने के बाद, अपनी मृत्यु तक अपना संपूर्ण जीवन कला और साहित्य के खजाने, एकत्रित करने और उसे समृद्ध करने में समर्पित कर दिया। 40 वर्षों से अधिक समय तक कीमती और दुर्लभ कलाकृतियों को संग्रह करने की उनकी आसक्ति ही है जो सालार जंग संग्रहालय के पोर्टलों में शोभायमान हैं।सालार जंग-III के निधन के बाद किसी सीधे उत्तराधिकारी के अभाव में, अमूल्य कलात्मक वस्तुओं और उनके पुस्तकालय के विस्तृत संग्रहालय को सालार जंग-III के पुश्तैनी महल में रखा गया था और नवाब के संग्रहण को संग्रहालय का रूप देने के लिए श्री एम.के.वेलोदी,

हैदराबाद राज्य के तत्कालीन मुख्य सिविल प्रशासक के मन में विचार उत्पन्न हुआ था। उन्होंने सालार जंग III के विभिन्न महलों में बिखरे पड़े विभिन्न कलात्मक वस्तुओं और कलाकृतियों ¬तथा कुतूहल पैदा करने वाले वस्तुओं को लेकर संग्रहालय बनाने के लिए ख्याति प्राप्त कला समीक्षक डॉ. जेम्स कजिन्स से संपर्क किया।

डॉ. कजिन्स ने सुझाव दिया कि इस कार्य के लिए श्री जी. वेंकटाचलम, कला समीक्षक की सेवाएँ ली जाएं। श्री वेंकटाचलम के समक्ष विराट समस्या थी कि विशाल संग्रह में से किसे चुनें, जो संग्रहालय के लिए संगत था। प्रस्तावित संग्रहालय का स्थान "दीवान देवडी" ही था, जो सालार जंग परिवार का पुश्तैनी महल था और यह वह महल था जहाँ मीर यूसुफ अली

खान ने अपना सारा जीवन बिताया था। नवजात संग्रहालय का नियंत्रण और पर्यवेक्षण सालार जंग संपदा समिति के हाथ में रहा।

इसके बाद, दिनांक 16 दिसंबर 1951 को विश्व प्रसिद्ध कला पारखी के रूप में सालार जंग के नाम की निरंतरता को कायम रखने की कल्पना से 'दीवान देवडी' में सालार जंग संग्रहालय का उद्गम हुआ जिसे तत्कालीन भारत के प्रधानमंत्री, पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा इसे जनता के लिए खोल दिया गया। इस प्रकार, वर्तमान सालार जंग संग्रहालय अस्तित्व में आया। यद्यपि, संग्रहालय का प्रशासन वर्ष 1958 तक सालार जंग सम्पदा समिति के हाथों में ही था। इसके बाद, सालार जंग बहादुर के वंशज दिनांक 26 दिसम्बर 1958 को उच्च न्यायालय के आदेश के आधार पर समझौता विलेख के माध्यम से पूरे संग्रह को भारत सरकार को दान करने के लिए सहमत हुए। वर्ष 1961 तक संग्रहालय का प्रशासन सीधे भारत सरकार के अधीन रहा।

वर्ष 1961 में संसद के अधिनियम की संख्या 26 द्वारा सालार जंग संग्रहालय के साथ-साथ सालार जंग पुस्तकालय को 'राष्ट्रीय महत्व का संस्थान' के रूप में घोषित किया गया और इसके प्रशासन और अन्य संबंधित मामलों का निपटान करने के लिए सालार जंग संग्रहालय बोर्ड स्थापित किया गया था। ।

भारत सरकार को संपदा सौंपते समय सालार जंग संपदा समिति द्वारा देखभाल किए गए सभी वस्तुओं को विधिवत रूप से सूचीबद्ध किया गया। रजिस्टरों में सूचीबद्ध संग्रहण की वस्तुसूची उर्दू भाषा में लिखी गई थी, जो इसका मौलिक रिकॉर्ड हैं। वर्ष 1963 और 1964 के दौरान, पूर्व रजिस्टरों के आधार पर अंग्रेजी में 109 जोड़ियों की वस्तुसूची रजिस्टर तैयार किया गया जिसमें वस्तुओं का विस्तृत विवरण उनके नाप और उनके संबंधित चित्र सहित दर्शाया गया। फिर वर्ष 1976 में अंग्रेजी में एक नए रजिस्टर की जोड़ी बनाई गई, जिसे मास्टर लेजर/सामान्य अवासि रजिस्टर कहा जाता है, जो वस्तुसूची रजिस्टरों का विकसित रूप है।

सालार जंग के परिवार का पीढ़ियों तक की विद्वत्ता, शिक्षण और राजमर्मज्ञता के क्षेत्र में यशस्वी इतिहास रहा है और इन दुर्लभ कलाकृतियों, पांडुलिपियों तथा पुस्तकों के विशालतम संकलन में बहुत बड़ा योगदान रहा है, जिन्हें अब संग्रहालय में रखा गया है।

नवाब मीर यूसुफ अली खान बहादूर सालार जंग - III

नवाब मीर यूसुफ अली खान का कलाकृतियों के प्रति उत्साहवर्धक प्रेम जग जाहिर था। उनका महल उन ऐसे व्यक्तियों से भरा होता था जिनके पास बेचने लायक कुछ न कुछ वस्तुएं होती थी। इस प्रकार, उनके चयन के लिए पांडुलिपियाँ, मुद्रित पुस्तकें, लघु चित्रकारियां, सुलेख फलक और सभी प्रकार की कलाकृतियां उनके यहां लाई जाती थी। भारत के विभिन्न भागों से व्यापारी उनके महल में अक्सर आते रहते थे। उन्हें कला की दुर्लभ कृतियों के साथ-साथ प्रतियां भी प्रदान की गईं थी। कई वर्षों तक, वह अनोखी कलाकृतियों और पुरातनकालीन वस्तुओं को संकलित करते रहे, जिन्हें वे अपने महलों के कई कक्षों में रखते थे। कलाकृतियों के प्रति उनका प्रेम उन्हें यूरोप और मध्य पूर्व के देशों तक ले गया, विदेशों में उनके एजेंट उन्हें विख्यात कलाकृति व्यापारियों से सूची पत्र भेजा करते थे और वे अपने महल में बैठकर उन सूची पत्रों को ध्यान से पढ़ते थे और कभी-कभी केबल द्वारा खरीददारी करते थे, उनका अंतिम परेषित माल हाथीदंत कुर्सियों का संच थी, जिसके बारे में कहा जाता है कि वह मैसूर के टीपू सुल्तान की थी। अफ़सोस की बात है कि वह इन कुर्सियों को देखने के लिए जीवित नहीं रह सके, क्योंकि उन्हें यह प्रेषण उनकी मृत्यु के बाद ही प्राप्त हुई थी।

कलाकृतियों, पांडुलिपियों और पुस्तकों के संकलन के अतिरिक्त, वह कवियों, लेखकों, कलाकारों को आश्रय भी देते थे और साहित्यिक, सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यकलापों को भी प्रोत्साहित करते थे। उन्होंने अपने पारिवारिक इतिहास की कई पुस्तकों के प्रकाशन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, उदाहरण के लिए 'शेरजंग', 'मीर आलम/'रियाज़-ए-मुख्तारिया' और 'मुराक्का-ए-दिल्ली', जो उन्हें समर्पित थी। उनकी अपनी जीवनी 'यूसुफ-ए-दक्कन' उनके जीवनकाल के दौरान ही प्रकाशित हुई थी। इस प्रकार, यह स्पष्ट है कि अंतिम सालार जंग को जो खजाने विरासत में मिले थे, वे लगातार वास्तविक संग्राहकर्ता के प्रेम और उत्साह में निरंतर बढ़ोत्तरी करते गए। यह संग्रहण उनका देहांत 02 मार्च, 1949 तक जारी रहा। उस समय के सैन्य गवर्नर ने इस महान व्यक्ति के सम्मान में जो पुराने जमाने के महत्वपूर्ण कुलीन पुरूष थे और पूरातन व्यवस्था के भूतपूर्व प्रधान मंत्री थे, एक दिन का सार्वजनिक अवकाश घोषित किया। हैदराबाद आर्ट्स सोसायटी ने एक शोक सभा का आयोजन किया और संवेदना व्यक्त की। सोसायटी ने यह संकल्प लिया था कि उनके नाम से एक संग्रहालय खोला जाएं। स्वर्गीय नवाब साहिब के मित्र प्रो. हुसैन अली खान और नवाब मेहदी नवाज जंग बहादूर ने इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए अपना भरपूर योगदान दिया।

संग्रहालय की वर्तमान स्थिति

स्थान:

वर्तमान संग्रहालय भवन का निर्माण मुसी नदी के दक्षिणी सीमा छोर पर किया गया था, जो ऐतिहासिक चारमीनार, मक्का मस्जिद आदि जैसे पुराने शहर हैदराबाद के महत्वपूर्ण स्मारकों के समीप है। संग्रहालय और पुस्तकालय की संग्रहित कलाकृतियों को वर्ष 1968 में दीवान देवड़ी से नए भवन में अंतरित किया गया था। क्योंकि वर्तमान संग्रहालय भवन का स्थान सुगम स्थल पर है अतः इसमें आसानी से पहुंचा जा सकता है, यहा सभी क्षेत्रों के पर्यटकों का सतत ताता लगा रहता है। विशाल संग्रह को ध्यान में रखते हुए, वर्तमान भवन के दोनों ओर दो और भवन के निर्माण का प्रस्ताव रखा गया था। ये दोनों भवन मीर तुराब अली खान भवन (पश्चिमी ब्लॉक) और मीर लाइक अली खान भवन (पूर्वी ब्लॉक) 1999 ई. में बनकर तैयार हुए।

विस्तार

संग्रहालय द्वारा पश्चिमी और पूर्वी ब्लॉकों पर अतिरिक्त मंजिलों के निर्माण का कार्य किया गया जो अब पूर्ण हो चुका है। इससे 20,000 वर्ग फुट अतिरिक्त क्षेत्र उपलब्ध हुआ जिसमें संग्रहालय द्वारा कुछ और दीर्घाएं तैयार की गई हैं।

इस्लामिक कला दीर्घा: सालार जंग परिवार के संकलन से इस्लामिक कला/कलाकृतियों को प्रदर्शित करने के लिए इस्लामिक कला दीर्घा खोलने की योजना बनाई गई है। सिविल और फैब्रिकेशन का काम पूरा हो चुका है और इंटीरियर का काम प्रगति पर है।

संग्रहालय संकलन

संग्रहालय में न केवल भारतीय मूल की, बल्कि पश्चिमी, मध्य पूर्वी और सुदूर पूर्वी मूल की कलात्मक वस्तुओं और प्राचीन वस्तुओं के विश्व के शानदार संग्रह है। इनके अतिरिक्त, यहां बाल अनुभाग, एक समृद्ध संदर्भ पुस्तकालय है जिसमें संदर्भ पुस्तकें, दुर्लभ पांडुलिपियों का बृहत संकलन आदि शामिल हैं। इस प्रकार, यह संग्रहालय न केवल आनंद के स्थान के रूप में बल्कि शिक्षा के भंडार के रूप में भी लोकप्रिय हो गया है।
दीर्घाएं

दीर्घाएं

आज की तारीख में, संग्रहालय के तीन ब्लॉकों में 40 दीर्घाएं हैं। भारतीय संग्रह विभिन्न राज्य जैसे तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, जम्मू और कश्मीर और कांगड़ा, बशोली, जयपुर, उदयपुर, मेवाड़, हैदराबाद, गोलकोंडा, बीजापुर, कुरनूल और निर्मल से हैं।

पश्चिमी संग्रह में इंग्लैंड, आयरलैंड, फ्रांस, बेल्जियम, इटली, जर्मनी, चेकोस्लोवाकिया और ऑस्ट्रिया शामिल हैं। पूर्वी संग्रह चीन, जापान, बर्मा, कोरिया, नेपाल, थाईलैंड, इंडोनेशिया जैसे देशों और मिस्र, सीरिया,फारस (पर्शिया) और अरब जैसे मध्य पूर्व देशों से हैं। भारतीय कलात्मक वस्तुओं में पत्थर की मूर्तियां, कांस्य, लकड़ी की नक्काशी, लघु चित्रकारी, आधुनिक चित्रकारी, हाथीदांत, जेड, वस्त्र, धातु शिल्प, पांडुलिपियां, बिदरी, अस्त्र-शस्त्र और कवच, उपयोगी शिल्प बर्तन आदि शामिल हैं।

दीर्घाओं की सूची:

1. संस्थापक दीर्घा: इस दीर्घा में सालार जंग परिवार से संबंधित चित्र और अन्य व्यक्तिगत वस्तुएं प्रदर्शित की गई हैं। मीर आलम, मुनीर-उल-मुल्क- II मोहम्मद अली खान, सालार जंग I, सालार जंग II और सालार जंग III के कई अच्छे तैलचित्र प्रदर्शित किए गए हैं, जो उनके व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं को दर्शाते हैं, जो इस दीर्घा की शोभा बढ़ाते हैं।

2. दक्षिण भारतीय कांस्यवर्ण दीर्घा: संग्रहालय का कांस्यवर्ण संकलन पल्लव, विजयनगर, चोल काल के हैं।

3. भारतीय मूर्तिकला दीर्घा: यद्यपि संग्रहालय में पत्थर की मूर्तियों का संकलन कम है, फिर भी उनका बहुत महत्व है क्योंकि वे भारत में प्रचलित विभिन्न मुद्राओं की विशिष्ट विशेषताओं को दर्शाती हैं। ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी की बुद्ध की खड़ी हुई प्रतिमा, सर्प शय्या पर लेटे हुए शेष साई विष्णु की प्रतिमा सर्वोत्कृष्ट है और दीर्घा में प्रदर्शित अन्य मूर्तियों में जैन मूर्तियाँ, गांधार शैली की बुद्ध की मूर्तियां और धर्मनिरपेक्ष मूर्तियां शामिल हैं।

4. दक्षिण भारत की लघु कला से संबंधित दीर्घा: भारतीय कला के इतिहास में लकड़ी पर नक्काशी का महत्वपूर्ण स्थान है। इस दीर्घा में दर्शक निर्मल कार्य की लकड़ी की नक्काशी देख सकते हैं। दीर्घा का प्रमुख भाग दक्षिण भारतीय लकड़ी की नक्काशियों से भरा है।

5. भारतीय वस्त्र और मुगल कालीन शीशा: संग्रहालय का वस्त्र संग्रह महत्वपूर्ण है और इसमें टाई और डाई या बंधनी वस्त्र और कुछ पटोला साड़ियों के नायाब नमूने हैं। संग्रहालय में संग्रहित कलमकारी वस्त्रों, भारत की समृद्धता में से एक हैं, जो कलमकारी पेंटिंग की शैली और तकनीकी के लिए उन्नत आंध्र प्रदेश के मुद्रण को उजागर करते हैं।

6. हाथीदंत दीर्घा: सालार जंग संग्रहालय में विश्व के विभिन्न भागों से हाथीदंत कृतियों का अच्छा संग्रहण है। हाथीदंत का संग्रहण प्लास्टिक कला के माध्यम के रूप में हाथीदंत का उत्कृष्ट नमूना है। संग्रहण में हाथीदंत के मोहरें, चौसर सेट आदि एक रोचक समूह हैं।

7. वील्ड रेबेका दीर्घा: इस दीर्घा में वील्ड रेबेका की मूर्ति को जी.बी. बेंज़ोनी द्वारा पारदर्शी दुपट्टे में तराशा गया है, इस महान कृति को 1876 ई. में सालार जंग I द्वारा खरीदा गया था। विश्व प्रसिद्ध शिल्पकार जी.बी. बेंज़ोनी ने अपनी अचूक छेनी से युवा रेबेक्का को शालीनता दुल्हन के रूप में पारदर्शी दुपट्टे में तराशा है।

8. छड़ी दीर्घा: इस दीर्घा में सालार जंग द्वारा प्रयुक्त केन, हाथीदंत, हड्डियों आदि से बनी विभिन्न प्रकार की पदचालन छड़ियां प्रदर्शित की गई हैं।

9. अस्त्र-शस्त्र और कवच दीर्घा: अस्त्र- शस्त्र और कवच के संग्रहण में तलवारें, छुरा-कटार, युद्ध परशु, बरछे-भाले, अंकुश, गदा, धनुष-वाण और बारूद आदि शामिल हैं। रक्षात्मक हथियारों में विभिन्न स्थानों और लोगों के ढाल, वक्ष प्लेट, हेलमेट और बखतार सूट आदि शामिल हैं। संग्रहण में मुगल सम्राट औरंगजेब, टीपू सुल्तान, मोहम्मद शाह और बहादुर शाह जैसे महत्वपूर्ण ऐतिहासिक व्यक्तियों के हथियार रखे गए है।

10. धातु शिल्प दीर्घा: रजत, कांस्य और अन्य धातु के सीरियाई, फ़ारसी, बर्मी, जापानी, भारतीय, रूसी और अंग्रेजी वस्तुएं इस दीर्घा में शोभायमान है।

11. आधुनिक भारतीय चित्रकला दीर्घा: प्रसिद्ध कलाकारों की कृतियाँ संग्रहालय के संग्रहण में सजाई गई हैं। दीर्घा में रवि वर्मा द्वारा रचित "द केरला ब्यूटी" और "स्टोलन इंटरव्यू" सजाई गई हैं। संग्रहण में प्रस्तुत बंगाली समूदाय के प्रतिनिधियों में रवीन्द्रनाथ टैगोर, नंदलाल बोस, चुघताई, बेहारी मुखर्जी और वी.एस. मारोजी. जैसे कलाकारों की कृतियाँ प्रमुख हैं। दीर्घा में एम.एफ.हुसैन, के.के. हेब्बर, एन.एस.बेंद्रे, पणिकर, के.एस. कुलकर्णी, पी.टी. रेड्डी, पेडीराजू और दिनकर कौशिक की चित्रकलाएं भी शोभायमान हैं।

12. भारतीय लघु चित्रकला दीर्घा: मुगल कालीन लघु चित्रकारी के कुछ मोहक उदाहरण इस दीर्घा में प्रदर्शित किए गए हैं। लघु चित्रकारी के क्षेत्र में राजस्थान के प्रेम भूमि का बहुत बड़ा योगदान है। 18वीं सदी के मध्य की चित्रकारी का उत्कृष्ट समूह जैसे न्यायालय के दृश्य, संत, राजा का जुलूस आदि पहाड़ी, बशोली-कांगड़ा क्षेत्र से हैं। दक्कन क़लम के अंतर्निहित आकर्षण और व्यंजनों को प्रतिबिंबित करने के लिए अच्छी संख्या में लघु चित्रकारी भी उपलब्ध हैं। संग्रहालय में जैन कल्पसूत्रों में पूर्वार्द्ध के रोचक पत्ते हैं, जिस पर पश्चिम भारतीय चित्रकला की प्रारंभिक शैली अर्थात 14वीं और 15वीं शताब्दी ई.प. के चित्रण हैं।

13. खिलौने और गुड़िया: संग्रहालय में खिलौनों और गुड़ियों का बृहत अच्छा संकलन मौजूद है। अलग-अलग स्थानों के खिलौनों का अपना अलग महत्व और प्रतिभा होता है। पुराने जमाने के हमारे शिल्पकार जंगली जानवरों, पक्षियों और देवताओं के मिट्टी के नमूने बनाकर बच्चों को पेश करते थे। कोंडापल्ली, विजयवाड़ा के खिलौनों ने पूरे देश और विदेश में एक महान प्रतिष्ठा स्थापित की है। खिलौने अमुमन पक्षियों, पौराणिक कथाओं और नित्य कार्मिकों से प्रभावित थे। इस दीर्घा में प्रदर्शित किए गए खिलौने बहुत ही नाजुक, दुर्लभ और अभिव्यक्तिपूर्ण चेहरों एवं वास्तविकता के अनुरूप हैं।

14. वनस्पति और जीव-जंतु दीर्घा: इस दीर्घा में चीन, जापान और अन्य यूरोपीय देशों से लाए गए धातु, संगमरमर और चीनी मिट्टी से बने पशु और पक्षियां प्रदर्शित किए गए हैं।

15. बाल अनुभाग: इस अनुभाग में प्रदर्शित किए गए कलाकृतियों द्वारा दीर्घाओं में आने वाले बच्चों को शैक्षणिक ज्ञान प्रदान किया जाता है। इस दीर्घा में विश्व के विभिन्न क्षेत्र से बड़ी संख्या में कांस्य मूर्तियां, चीनी मिट्टी की कलाकृतियां, संगीत बक्से, संगमरमर की मूर्तियां और खिलौनों की भरमार हैं। जापान की गीशा गुड़िया, लियोनेल कॉर्पोरेशन ऑफ अमेरिका 1930 द्वारा निर्मित इंग्लैंड की कार्यात्मक चलती गाड़ी और स्नो व्हाइट के सात बौनों का एक सेट इस अनुभाग की प्रतिष्ठा को बढ़ाते हैं।

16. अरबी और फ़ारसी पांडुलिपियाँ: अरबी और फ़ारसी पांडुलिपियाँ संग्रहालय का सबसे महत्वपूर्ण संकलन हैं। सबसे प्रचीन प्रदर्शित पांडुलिपि कुफिक लिपि में चर्मपत्र पर लिखी गई पवित्र कुरान है जो 9वीं शताब्दी ईस्वी सन की है। इसके अतिरिक्त यहां कई पवित्र कुरान है, जो प्रदीप्त और अलंकृत कर रखे गए है जो दोनों दीर्घाओं को सुशोभित करते हैं। अन्य प्रदर्शित स्मरणीय पांडुलिपियों में फारसी के सुल्तान हुसैन द्वारा लिखित उमर खय्याम की चौपाइयां और शाहजहाँ की चहेती बेटी राजकुमारी जहाँनारा बेगम द्वारा लिखित आत्मकथा, मोहम्मद-बीन-अब्दुल रहमान सम्मारकंडी (1424 ई. सं) द्वारा लिखित प्रदीप्त पवित्र कुरान (फिरदौसी) शाहनामा आदि हैं।

17. फ्रेंच अफ़्रीकी दीर्घा: इस दीर्घा में 24 कलाकृतियां प्रदर्शित किए गए हैं। एक अफ़्रीकी मुँह में पाइप रखकर अख़बार पढ़ते हुए दर्शाने वाली कलाकृति इस दीर्घा का आकर्षण केन्द्र है।

18. भारतीय रजत दीर्घा: इस दीर्घा में भारतीय मीनाकारी और प्रतिमाओं की कलाकृतियां और करीमनगर (तेलंगाना राज्य) और कटक (ओडिशा) के फिलइग्री कलाकृतियां समृद्ध कलाकृतियाँ हैं।

19. कालीन दीर्घाएं: फ़ारसी कालीन संग्रहालय के मध्य-पूर्वी कला संग्रह में अद्वितीय स्थान रखते हैं। इस दीर्घा में जटिल बुनाई और आभूषणों के पैटर्न सहित सजावट के सुंदर नमूने, विशेष रूप से फारसी के सभी महत्वपूर्ण करघे अर्थात् काषना, बोखारा, तब्रीज़, किरमान, शिराज आदि दर्शाए गए हैं।

20. मिस्र और सीरियाई कला दीर्घा: यद्यपि प्रदर्शित किए गए मिस्र की अधिकांश कलाकृतियां प्राचीन मिस्र के राजाओं की महत्वपूर्ण मकबरों से ली गई मूल प्रतियों की केवल नकल हैं। कलाकृतियों में फर्नीचर, सजावटी सामान और हाथीदंत की नक्काशी शामिल है। 1340 ईसा पूर्व की तूतनखामेन सिंहासन की शानदार प्रतिकृति आकर्षण का केंद्र है। यद्यपि इस सिंहासन की नकल प्रति 20वीं सदी में बनाई थी, तथापि दर्शक इस सिंहासन को देखकर मूल सिंहासन के उत्कृष्ट कारीगरी को आसानी से जान सकते है। सीरियाई कलाकृतियों में मोतियों की सीप जड़ित राजसी कारीगरी के साथ एक बड़ी संख्या में सज्जा सामग्री की वस्तुएं हैं। उनमें से अधिकांश उत्कीर्ण किए हुए हैं।

21. जेड दीर्घा: जेड अर्ध-कीमती पत्थर है, जिसका रंग प्रायः पूर्ण सफेद से विभिन्न रंगों; हीरा पन्ना से स्याह काले हरे रंगों में मिलता है। इस संग्रह में शराब की प्याली (सादा और कीमती पत्थरों से जड़ा हुआ) प्लेट, कप, बुक स्टैंड, बेल्ट बकल, शस्त्र म्यान, फ्लाई व्हिस्क हैंडल और हेयर पिन आदि शामिल हैं। जेड अंकित बुक-स्टैंड का नाम "शम्सुद्दीन इल्तमिश" है, और मुगल सम्राट शाहजहाँ की उपाधि - "साहिब-ए-कुरान-ए-सानी" के साथ अंकित धनुर्धर अंगूठी उत्कृष्ट कलाकृतियाँ हैं। जेड से बनी हुई फलो की चाकु और छुरा जिसमें कीमती पत्थर जड़े हैं, क्रमशः जहांगीर और नूरजहाँ से संबंधित माने जाते है।

22. बिद्री दीर्घा: बिद्री शब्द बीदर शहर के नाम से लिया गया है, जो हैदराबाद से लगभग 120 किलोमीटर की दूरी पर उत्तर पश्चिम में स्थित है। बिद्री कला सिर्फ बीदर से संबंधित नहीं है, परंतु यह कला हैदराबाद, लखनऊ, पुणे और कश्मीर के कुछ हिस्सों में भी की जाती थी। सामान्यतः यह डिज़ाइन चांदी के पत्रों से बनाया जाता है। काली पृष्ठभूमि पर चमकते चांदी का अभिकल्प इसको उत्कृष्टता प्रदान करता है। इस संग्रहालय में पुराने बिद्री शिल्पकला के नमूने जैसे हुक्का बॉटम्स, पानदान, ट्रे, सुराही, आफ्तबास, गुलदस्ता आदि प्रदर्शित है।

23. कश्मीर दीर्घा: कश्मीर कक्ष में पेपर मेशी, हाथीदंत, लकड़ी, रेशम और प्रलाक्षा से बनाए गए कुशल कारीगरी के नमूने प्रदर्शित किए गए हैं।

24. सिक्का दीर्घा: संग्रहालय में विभिन्न अवधियों के सिक्कों का बृहत संग्रह है, जिसमें मगध शाही, मौर्य साम्राज्य, शातवाहना, विष्णुकुंडी, पश्चिमी और पूर्वी चालुक्यों के सिक्कों को इस दीर्घा में प्रदर्शित किए गए हैं। इस्लामी सिक्कें, खिलजी, तुगलक उनके बाद बहमनी निज़ाम शाही, बारीद शाही, मुगल, कुतुब शाही, आसिफजही जैसे दिल्ली के सुल्तान से संबंधित सिक्के भी इस दीर्घा में प्रदर्शित किए गए हैं।

25. उपयोगी शिल्पी वस्तु दीर्घा: यहां प्रदर्शित शिल्प कलाकृतियों में उपयोगी शिल्पी वस्तुएं और मोरादाबाद और दक्कनी पारंपरिक हुक्का, पानदान, पशुओं की अनोखी कलाकृतियां और आदिवासी कलाओं का सेट इस दीर्घा में शोभायमान हैं।

26. यूरोपीय फर्नीचर दीर्घा: यूरोपीय फर्नीचर यूरोपीय कला- कृतियों के संकलन का अन्यतम आकर्षक हिस्सा है। फ्रेंच फर्नीचर में अलमारियाँ, कंसोल, कुर्सियाँ, सोफा-सेट, कमोड, रमणीय परदा, मेज आदि विविध सामग्री शामिल हैं, जो प्लुईस XIV (1643-1715), लुईस XV (1715-44) लुईस XVI (1774-92) और नेपोलियन-I की अवधि से संबंधित हैं।

27. चीनी दीर्घा: इस संग्रहालय के उल्लेखनीय चीनी संग्रहण 12वीं से 19वीं शताब्दी तक का है। बाहरी दुनिया में पहुंचने वाला प्राचीन चीनी मिट्टी के बर्तन निस्संदेह "सेलादान" था, जो विशिष्ट धुंधली हरी चमकीली सामग्री जैसा दिखता था। सुघंनी की बोतल इस दीर्घा की उत्कृष्ट गुण है। इस माध्यम में प्रदर्शित किए गए सामग्रियों में रोगन और जड़ाऊ चिलमन, रोगन बक्से, सुघंनी की बोतल, गुलदान और फर्नीचर आदि शामिल हैं। संग्रहालय में चीनी हाथीदांत का संग्रहण अपनी जटिलता और कुशल नक्काशी के लिए बहुत दिलचस्प है। इसमें अधिकतम कलाकृतियाँ शामिल हैं, परंतु कुछ विस्तृत नक्काशीदार दाँत और रोगन से बनी हाथी दांत की कलाकृतियाँ 18वीं से 19वीं शताब्दी की हैं।

28. सुदूर पूर्वी चीनी मिट्टी के बर्तन दीर्घा
इस दीर्घा में 12वीं से 19वीं शताब्दी तक चीन में बने चीनी मिट्टी के बरतन और 17वीं से 19वीं शताब्दी तक जापान में बने चीनी मिट्टी के बर्तन प्रदर्शित किए गए है।

29. जापानी दीर्घा:
यद्यपि जापानी कला इतिहास और संस्कृति के क्षेत्र में चीन के नैसर्गिक उपसिद्धांतवादी के रूप में उभरा है, इसने कला के साथ-साथ संस्कृति के क्षेत्र में भी अपनी पहचान विकसित की है। संग्रहालय के संकलन में प्राचीन वस्तुओं के नीले और सफेद चीनी मिट्टी के बर्तन हैं जो 17वीं शताब्दी के है। संग्रहालय में प्रख्यात सत्सुमा बर्तनों का प्रचुर संकलन है जिसमें विभिन्न आकारों के गुलदान, कटोरे और प्लेटें और चाय के छोटे सेट भी शामिल हैं। संग्रहालय में समुराई तलवारें हैं जिस पर हाथी दांत के मूठ लगे हैं, जो कटाना (बड़ी तलवार) के साथ-साथ वाकीज़ैश (छोटी तलवार) दोनों को दर्शाता हैं और उनमें एक बड़े तलवार के म्यान में फिट होने वाला कोडज़ाका (मिसाइल हथियार के रूप में प्रयुक्त की जाने वाली छोटी छूरी) भी है।

30. सुदूर पूर्वी मूर्तिकला दीर्घा: इस दीर्घा में नेपाल और तिब्बत जैसी देश से शिल्पकारी कलाओं से संबंधित रोचक चित्रों को प्रदर्शित किया गया है। यहां की मूर्तिकला स्पष्ट रूप से तीन माध्यमों से बनी है, जैसे कांस्य, धातु और लकड़ी। अधिकांश दीर्घाएं बौद्ध शिल्पकारी से संबंधित हैं जो बौद्ध धर्म के स्थायी प्रभाव को दर्शाती हैं जो भारतीय उपमहाद्वीप से चीन और जापान जैसी सुदूर भूमि तक फैला हुआ है। बौद्ध मूर्तिकला के अतिरिक्त इस दीर्घा में जापान के समुराई सैनिकों के मूर्तियां भी अत्यंत रोचक रूप से प्रदर्शित हैं।

31. सुदूर पूर्वी लकड़ी की नक्काशी:
32. सुदूर पूर्वी लकड़ी का फर्नीचर:

17वीं से 20वीं शताब्दी तक चीन, जापान और बर्मा की लकड़ी की नक्काशी का बृहत संकलन यहा प्रदर्शित है।

33. यूरोपीय पेंटिंग दीर्घा: तेल और जल पेंटिंग यूरोपीय संकलन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। संग्रहालय में प्रदर्शित चित्रों में कैनेलेटो, हयेज़, ब्लास, मार्क एल्डीन, डिज़ियानी, मैटेइन और कुछ कम विख्यात चित्रकारों की कृतियाँ शामिल हैं। सालार जंग संग्रहालय में प्रदर्शित कैनालेटोस का तैल चित्रकला □पियाज़ा सैन मार्को□ एक मनमोहक कृति है। हयेज़ की मधुर रचना 'साबुन का बुलबुला' जिसमें एक लड़का बुलबुले छोड़ रहा है जो हवा में तैर रहे है, वह पर्यटकों को बहुत आकर्षित करता है।

34. यूरोपीय शीशा दीर्घा: संग्रहालय में वेनिस, फ्रांस, इंग्लैंड, अमेरिका, बोहेमिया, बेल्जियम, तुर्की और चेकोस्लोवाकिया से लाए गए शीशे के कई उत्कृष्ट नमूने देखने मिलते हैं। वेनिस में बनी हुई शीशे की कलाकृतियां संकलन में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। बोहेमियन शीशे की निथरनी और कटोरों पर बारोक शैली में एकैन्थस, फूल और बेलबूटियों की नक्काशी कटाई और एनामेल किया गया।

35. फ्रेंच दीर्घा: इसमें बारोक, रोक्कोको, नव-शास्त्रीय शैली और ओरमोलू पर लगे फ्रांस के फर्नीचर प्रदर्शित किए गए हैं, जो लुई XIV (1643-1715), लुई XV (1715-44), लुई XVI (1774-92) और नेपोलियन I से संबंधित हैं और ये गैलरी की शोभा बढ़ाते हैं। इसके अतिरिक्त गैलरी में फ्रांस से प्राप्त सुंदर सेव्रेस पोर्सिलेन भी प्रदर्शित किए गए हैं।

36. यूरोपीय घड़ी दीर्घा: सालार जंग संग्रहालय में फ्रांस, इंग्लैंड, स्विट्जरलैंड, जर्मनी, हॉलैंड आदि विभिन्न यूरोपीय देशों की घड़ियों का प्रचुर मात्रा में संकलन है। इस विविधता में चिड़िया का पिंजरा घड़ी, ब्रैकेट घड़ी, दादा घड़ी, कंकाल घड़ी आदि शामिल हैं। संग्रहालय में लुईस XV, लुईस XVI और फ्रांस के नेपोलियन-I के समकालीन काल की घड़िया इसके कुछ अच्छे उदाहरण भी हैं। यहाँ की सबसे महत्वपूर्ण घड़ी जो अत्यधिक संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करती है, वह है ब्रिटिश ब्रैकेट घड़ी। इसमें एक यांत्रिक उपकरण लगा हुआ है जिसके जरिए एक छोटा खिलौना हर घंटे पर पिंजरे से बाहर निकल कर घंटा बजाता है और फिर वापस पिंजरे में चला जाता है।

37. यूरोपीय चीनी मिट्टी के बर्तन दीर्घा: संग्रहालय में ड्रेसडेन चीनी मिट्टी के बर्तनों का बहुत बड़ा संकलन है, जो सेव्रेस संचयन के बाद आता है। बकरे पर सवार एक दर्जी और उसकी पत्नी की बकरी की सवारी करते हुए चित्र ड्रेसडेन चीनी मिट्टी के बर्तनों का संकलन उत्कृष्ट नमूना है । अंग्रेजी चीनी मिट्टी के बरतन संकलन विभिन्न प्रकार के हैं जो ज्यादातर 19वीं शताब्दी के दौरान निर्मित हुए थे। उत्कृष्ट नमूनों में प्याली, तश्तरी, प्लेट, फूलदान, गर्म पानी की प्लेट, मूर्तियाँ आदि हैं। इस संग्रहण में वॉर्सेस्टर, चेल्सी, डर्बी, कोलपोर्ट, स्पेड, मैनचेस्टर, मिंटन, वेजवुड, आदि कारखानों के नमूने शामिल हैं।

38. यूरोपीय कांस्य दीर्घा: संग्रहालय में रखे गए यूरोपीय कांस्यवर्ण की कलाकृतियों में कुछ प्रसिद्ध शिल्पकारों की मूल कृतियों के साथ-साथ नकल कलाकृतियां भी संग्रहित हैं जो काफी विख्यात हैं। ग्रीक कलाकृतियों में, 'लाऊकून एंड हिज सन्स' नामक कृति की नकल विलक्षणता का प्रतीक है। इस कला सदियों से यूनानी शिल्पकारों को प्रभावित किया है और उनमें से सबसे प्राचीन कलाकृति 50 ईसा पूर्व की हैं। इनके अतिरिक्त, यहां और कई प्रतिमाएं है जैसे स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी, अलेक्जेंडर ऑन हार्स बैक, ऑगस्टस सीजर, नाइट वॉचमैन आदि जो इन व्यक्तियों से जुड़ी कई ऐतिहासिक घटनाओं की याद दिलाती हैं।

39. यूरोपीय संगमरमर दीर्घा: संग्रहालय में संगमरमर की मूर्तियों का बहुत बड़ा संकलन हैं यद्यपि उनमें से अधिकांश प्रसिद्ध शिल्पकारों द्वारा बनाई गई ग्रीक पौराणिक शिल्पों के नकल हैं, जो बगीचे में रखने वाली मुर्तियां है। इस कृति में विश्व प्रसिद्ध शिल्पकार जी.बी. बेंज़ोनी ने अपनी अचूक छेनी से वधु की रूप में रेबेक्का की शालीनता और यौवन को दर्शाया है। अन्य बातों के साथ-साथ, प्रोफेसर बोरियोन की 'क्लियोपेट्रा', फ्रांसीसी शिल्पकार की 'बेब' जिसमें एक बच्चे की मासूमियता झलकती है और क्यूपिड की पत्नी 'साइके' जो सुंदरता का प्रतीक हैं, की प्रतिभा उत्कृष्ट उदाहरण हैं। सुप्रसिद्ध फ्रांसीसी शिल्पकार, कैनोरा (1757-1822) की दो मूर्तिकलाएं जिनमें राजकुमारी पॉलीन को वीनस के रूप में दर्शाया गया है और वीनस की दूसरी मूर्ति भी उत्कृष्ट संगमरमर हैं। इटली, फ्रांस और इंग्लैंड से मंगवायी गयी कई संगमरमर की मूर्तियाँ संग्रहालय में उपलब्ध हैं।

40. यूरोपियन लैंप और झूमर गैलरी: यूरोपियन लैंप और झूमर गैलरी: लैंप संग्रहण दुनिया के विभिन्न हिस्सों जैसे बर्मिंघम, इंग्लैंड, ऑस्ट्रिया, अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, बोहेमिया से खरीदे जाते हैं। अधिकांश केरोसिन लैंपों को सुलभ उपयोग हेतु इलेक्ट्रिक लैंप में प्रतिस्थापन कर दिया गया था। विभिन्न रंगों में 16 शाखाओं सहित क्रिस्टल झूमर के लिए सुंदर कांच प्रदर्शित किया गया है।

भंडार

सभी कलाकृतियों को सामग्री-वार अलग-अलग किया गया, जैसे वस्त्र, लकड़ी का फर्नीचर, लघु चित्रकारी, शीशा, चीनी मिट्टी के बर्तन और पेंटिंग आदि और इन्हें नए भंडार कक्ष में स्थानांतरित किए गए हैं, इन कक्षों को कॉम्पैक्टर और अलमारियों सहित आधुनिक वैज्ञानिक तरीके से नवनिर्मित एवं उन्नत किए गए हैं जिसमें इन कलाकृतियों को प्रत्यक्ष रूप से तथा प्रदूषण से बचाया जा सकता हैं। अब तक 15 भंडार कक्षों में से 12 कक्षों में कॉम्पैक्टर्स लगाए गए हैं।

पुस्तकालय और पांडुलिपि अनुभाग

सालार जंग संग्रहालय के पुस्तकालय में सालार जंग परिवार द्वारा एकत्रित पुस्तक और पांडुलिपियों का संकलन शामिल है। इस संकलन का उद्गम 1656 ई. में हुई थी। नवाब मीर तुराब अली खान, सालार जंग-I द्वारा इस पुस्तकालय को सुव्यवस्थित संग्रह का रूप दिया गया था, जिसे उनके पुत्र नवाब मीर लाइक अली खान, सालार जंग II द्वारा और अंत में उनके पौत्र नवाब मीर यूसुफ अली खान, सालार जंग III ने विकसित किया और इसमें वृद्धि की। पुस्तकालय और पांडुलिपि अनुभाग दूसरी मंजिल पर स्थित है। इस समृद्ध पुस्तकालय में अंग्रेजी, हिंदी, उर्दू, तेलुगु, फ़ारसी, अरबी और तुर्की भाषा की पुस्तकें शामिल हैं। अंग्रेजी में मुद्रित पुस्तकों में अनुसंधान पत्रिकाएँ, दुर्लभ फोटो का अलबम और मूल्यवान नक्काशी शामिल हैं। इस विशाल संग्रह की प्रमुख विशेषता यह है कि इसमें कला, वास्तुकला, पुरातत्व, भौतिक, जैविक और सामाजिक विज्ञान, साहित्य, इतिहास और यात्रा जैसी विभिन्न क्षेत्र की ज्ञानवर्धक पुस्तकें हैं। इसमें इस्लाम, हिंदूत्व, ईसाई और अन्य धर्मों से संबंधित धार्मिक पुस्तकों का संग्रह भी शामिल है। इस संग्रह की प्रचीनतम पुस्तक 1631 ई. में मुद्रित एक अंग्रेजी पुस्तक है। इस पुस्तकालय में कला, शिल्पकला, चित्रकला, सिरेमिक कला, अलंकरण कला, संगीत शास्त्र, पर्यटन आदि जैसे विषयों से संबंधित नवीनतम पुस्तकें निरंतर जोड़ी जाती हैं। संग्रहालय के कर्मचारियों के अतिरिक्त अनुसंधान विद्वान (भारत और विदेश दोनों से) नियमित रूप से पुस्तकालय में आते रहते हैं। प्रतिदिन औसतन दस व्यक्ति अपनी शिक्षा के मूल को समृद्ध और विस्तारित करने के लिए पुस्तकालय का उपयोग करते हैं। संग्रहालय में उत्कृष्ट पांडुलिपियों का संग्रहण अरबी, फ़ारसी, उर्दू और अन्य भाषाओं में है। इस संग्रह में सुलेख पट्ट भी शामिल हैं।

इन संग्रह में विभिन्न ईरानी और भारतीय पंथ की पुस्तकें हैं जैसे बुखारा, इस्फ़हान, शिराज, तब्रेज़, कछार, हर्थ, लाहौर, कश्मीर, पंजाब, दिल्ली, जयपुर, मारवाड़, गुजरात कंपनी स्कूल और दक्खनी उप पंथ जैसे गोलकुंडा, बीजापुर, बीदर और हैदराबाद आदि शामिल हैं। पांडुलिपियों में इतिहास, जीवनी, गणित, संगीत, खगोल-विज्ञान, चिकित्सा, दर्शन, भौतिकी, रसायन विज्ञान, पशुपालन, शिकार, सैन्य, विज्ञान, विधि, साहित्य, पवित्र कुरान और अन्य संबंधित विषयों जैसे विषयों की विस्तृत श्रृंखला शामिल है।

अरबी पांडुलिपियाँ

इस पुस्तकालय में अरबी पांडुलिपियों का संग्रह है, इसका मुख्य आकर्षण गणित में बीजगणित (847 ईस्वी) पर 'शरहूँ मुख्तसर अल मुख्तसर' नामक दुर्लभ कार्य है। खगोल-विज्ञान में सबसे पहला कार्य ग्लोब (16वीं शताब्दी) को तैयार करना और उसका उपयोग करना है। चिकित्सा के क्षेत्र में, एविसेना (इब्नसिना) का किताबुल क़ैनून की पांडुलिपि और प्राकृतिक इतिहास में हयातुल हैवान का उल्लेखनीय कार्य यहां उपलब्ध है।

दर्शनशास्त्र के क्षेत्र में रसैल इख्वानस सफ़ा (16वीं शताब्दी) का विश्वकोषीय कार्य भी पुस्तकालय में उपलब्ध है। तर्क शास्त्र पर अल तजरिड फिल मंटिक नसीरुद्दीन तुसी (1628 ई.) का प्रसिद्ध कार्य है और बादशाह जहाँगीर की शाही पुस्तकालय से अला शरहिल मताली की पांडुलिपि की प्रति भी उपलब्ध हैं। यहा के संग्रहण में शियाओं और सुन्नियों, यहूदी और सूफियों द्वारा अदियाह (प्रार्थना) में प्रयोग होने वाले इस्लामी धर्मशास्त्र की पांडुलिपियां भी उपलब्ध हैं। सूफी सिद्धांत (दिल्ली 1675 ई.) के प्रवर्तकों के परिचय पर ता'अर्रुफ़ ली मधबित तसव्वुफ़ एक दुर्लभ कृति है। अबु नसर का साबब (1218 ई.) प्रचीनतम संग्रह है। जैउल क़वायद सिनटैक्स (1576 ई.) के विषय में एक दूर्लभ कोडेक्स है और निज़ाम-□□ की अवधि के दौरान शब्द साधन विषय पर लिखी गई अस शफ़िया पर वाक्य विचार, पुस्तकालय की महत्वपूर्ण उपलब्धि हैं।

फ़ारसी पांडुलिपियाँ

यहां फ़ारसी भाषा की पांडुलिपियों का बृहत संकलन उपलब्ध है। इनमें से सबसे उत्कृष्ट रौदातुल मुहिब्बिन है, जिसमें बुखारा परंपरा से संबंधित बीस चित्र शामिल हैं और इसे प्रख्यात सुलेखक मीर अली हरवी ने लिप्यांतरण किया है। सुन्नी कामेंटरी सबसे पुरानी पांडुलिपि बसैर फिल वुजुह वान नजीर है, जो अरबी नक्ष में 1207 ईस्वी में लिखी गई थी। तसव्वुफ़ पर, बहुमूल्य और उपयोगी ग्रंथ लिप्यांतरण 1588 ई. में बयाज़िद बुस्तामी ने किया था। कला, विज्ञान, भविष्यवाणी, ज्योतिषी, जादू और धनुर्विद्या विषयों पर भी पांडुलिपियाँ उपलब्ध हैं। कृषि पर पुरानी पांडुलिपि और बहुमूल्य और अर्ध बहुमूल्य पत्थरों पर कई पांडुलिपियां हैं।

सुलेखन कला पर संग्रहालय में कई पांडुलिपियाँ हैं, पाक कला पर दो पांडुलिपियाँ, जो शाहजहाँ के लिए लिखी गई दस्तूर-ए-पुख्तन-एल अतामाह नाम से रचित हैं। इत्र (सुगंधित तेल) बनाने के बारे में भी प्राचीन पांडुलिपियाँ है। चिकित्सा के क्षेत्र में प्राचीनतम अरबी भाषा का फ़ारसी में अनुवाद मुहम्मद अररादी द्वारा शाहजहाँ के लिए लिखी गई तरजुमा-ए-मिन्हाजुल मायन उपलब्द हैं। संग्रहालय में भारत में लिपिबद्ध सबसे पुरानी चिकित्सा विश्वकोश भी उपलब्ध है। पशु चिकित्सा विज्ञान में, पशुओं की चिकित्सा पर उपलब्ध प्राचीनतम पांडुलिपियां मुआलाजा-ए-जानवरन है और यह फिरोज शाह (1281 ईस्वी) को समर्पित है।

उर्दू, तुर्की, पुश्तु, हिंदी और उड़िया पांडुलिपियाँ: सालार जंग संग्रहालय में विभिन्न विषयों पर उर्दू पांडुलिपियाँ हैं, जिनमें राजा मुहम्मद कुली द्वारा रचित दीवान-ए कुली कुतुब शाह और इब्राहिम आदिल शाह द्वारा "नुरुस" और अंकगणित पर 'लीलावती' नामक दुर्लभ पांडुलिपियां उपलब्ध हैं। तुर्की में 25 से अधिक पांडुलिपियाँ और कुछ हिंदी में और कुछ फ़ारसी लिपि में पांडुलिपियाँ हैं, जैन कल्पसूत्र में कुछ पन्ने और इतिहास, चिकित्सा, तंत्र और कविता से संबंधित कुछ भोज पत्र उड़िया, संस्कृत और तेलुगु में उपलब्ध हैं।

दर्शक सुविधाएं

- संग्रहालय में स्वागत केंद्र और अलग से बुकिंग काउंटर की व्यवस्था की गई है।

- संग्रहालय में एक आमानती सामान भवन है और पहली मंजिल पर हैदराबादी व्यंजनों के लिए विशेष भोजनालय हेतु स्थान प्रस्तावित है और दूसरी मंजिल पर छोटी प्रदर्शनियों के संचालन के लिए छोटा सा प्रदर्शनी हॉल है।

- संग्रहालय में दर्शकों के लिए मुख्य भवन में पूर्ण कैफेटेरिया और भूतल पर पश्चिमी ब्लॉक में एक छोटे आउटलेट की व्यवस्था की गई है जिसे तेलंगाना पर्यटन विभाग द्वारा संचालित किया जा रहा है।

- दिव्यांगजनों के लिए व्हील चेयर और शौचालय की भी व्यवस्था की गई हैं।

• मल्टी-मीडिया, ऑडियो वीडियो विजुअल और मार्गदर्शक सुविधाएं उपलब्ध हैं। संग्रहालय ने संपूर्ण सूचना के साथ चार दीर्घाओं में टच स्क्रीन प्रणाली लगाई गई है। प्रवेश द्वार पर 65" स्क्रीन वाली संग्रहालय सूचना प्रणाली स्थापित की गई थी।

• संग्रहालय ने दर्शकों के लिए भूदृश्य और बैठने की सुविधा विकसित की है।

• तीनों भवनों के फ्लोर प्लान के संक्षिप्त स्केच के साथ सूचना और संकेत सहित आकर्षित बहुरंगी टिकट आरंभ किए गए है जिसे दर्शक बुकमार्क के रूप में संरक्षित कर सकते हैं

• संग्रहालय देखने के लिए आने वाले दिव्यांगजनों के लिए तीनों ब्लॉकों में लिफ्ट की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

संग्रहालय के उद्देश्य

संग्रहालय की कलाकृतियों और संकलन को संरक्षित और सुरक्षित रखना।

- अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार संग्रहालय में सालार जंग के संकलन और अन्य अर्जित कलाकृतियों को प्रदर्शित करना।
- प्रख्यात विद्वानों, सांस्कृतिक संस्थानों, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय के सहयोग से संग्रहालय संकलन और कला इतिहास से संबंधित व्याख्यान, प्रदर्शनियों, संगोष्ठियों और कार्यशालाओं का आयोजन करना।
- वैज्ञानिक, सौंदर्यपूर्ण और सार्वजनिक-अनुकूल तरीके से मौजूदा दीर्घाओं में कलाकृतियों को आधुनिक रूप से प्रदर्शित और अनुरक्षित करना।
- जनसामान्य में संग्रहालय की कलाकृतियों और कला इतिहास के बारे में जागरूकता लाने के लिए अनुसंधान पत्रिकाओं, पुस्तकें, विवरणिका, बुकलेट आदि जैसे साहित्य को प्रकाशित करना।
- संग्रहालय को सृजनात्मक केन्द्र के रूप में कार्य करना और इसे गतिशील सांस्कृतिक संगठन बनाना।

संग्रहालय के क्रियाकलाप

- संग्रहालय के क्रियाकलाप में संग्रहालय की कलात्मक संपदा का संकलन, प्रलेखन, प्रदर्शनी, संरक्षण और व्याख्यान आदि शामिल हैं।
- प्रत्येक वर्ष सालार जंग संग्रहालय द्वारा विभिन्न अवसरों पर प्रदर्शनियों का आयोजन किया जाता है।
- उपरोक्त के अतिरिक्त संग्रहालय द्वारा प्रत्येक वर्ष संग्रहालय सप्ताह, बाल सप्ताह, ग्रीष्मकालीन कला शिविर, व्याख्यान, संगोष्ठी और कार्यशालाएं भी आयोजित की जाती है।
- संग्रहालय सप्ताह पर दर्शकों को निःशुल्क प्रवेश दिया जाता हैं। दृष्टि दिव्यांग छात्रों के लिए विशेष प्रवेश संबंधी व्यवस्था और आउटरीच कार्यक्रम भी आयोजत किया जाता है।

संग्रहालय के क्रियाकलाप

सालार जंग संग्रहालय के शिक्षा अनुभाग में निम्नलिखित शाखाएँ हैं:

1. शिक्षा
2. प्रकाशन
3. जनसंपर्क

प्रत्येक शाखा के क्रियाकलाप नीचे दर्शाएं गए हैं:

शिक्षा

(क) अस्थायी प्रदर्शनियां:
विशेष/यात्रा प्रदर्शनियां, उत्सव प्रदर्शनियां, चल प्रदर्शनियां।

(ख) व्याख्यान:
मासिक व्याख्यान, अतिथि व्याख्यान, दीर्घा परिचर्चा, स्मारक व्याख्यान।

(ग) अन्य कार्यकलाप:
ग्रीष्मकालीन कला शिविर, बाल सप्ताह, संग्रहालय सप्ताह, विश्व धरोहर सप्ताह, सालार जंग III जयंती समारोह, संग्रहालय स्थापना दिवस, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यशालाएँ और कार्यक्रम।

(घ)। आंतरिक कार्मिक एवं स्कूल के प्रध्यापको के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम।

(ङ) प्रलेखन:
विषय सूची तैयार करना, मास्टर लेजरों का अनुरक्षण, संग्रहालय के कलाकृतियों का कम्प्यूटरीकरण, दीर्घा सीडी तैयार करना।

प्रकाशन

गाइड पुस्तकें, विवरणिका, पैम्फलेट, द्विवार्षिक सालार जंग संग्रहालय पत्रिका तैयार व मुद्रण करना, संग्रहालय स्मारिकाओं (पोस्ट कार्ड, पोस्टर, सीडी, प्रतिकृतियां) आदि तैयार व मुद्रण करना, कैटलॉग पुस्तकें तैयार करना व मुद्रण करना और बिक्री काउंटरों का अनुरक्षण। संग्रहालय शॉप के परिचालन का कार्य सैंट्रल कॉर्टेज इण्डस्ट्रीज कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड को दिया गया है।

जन संपर्क

किसी भी संग्रहालय के लिए जन संपर्क सबसे महत्वपूर्ण विषय है। इस शाखा के अंतर्गत सामान्य एवं अति विशिष्ट पर्यटकों को निःशुल्क गाइड सेवा प्रदान की जाती है। सामान्य पर्यटकों और विशेष आवश्यकता वाले व्यक्तियों को उचित सुविधाएं दी जाती हैं। पर्यटकों के लिए सुझाव पुस्तिका उपलब्ध कराई गयी है जिसके माध्यम से पर्यटकों के सुझावों पर विचार किया जाता है। जनसंपर्क की महत्वपूर्ण कार्यकलापों में संग्रहालय मार्गदर्शन, दीर्घा परिचर्चा, स्वागत, एएसआई, पर्यटन विभाग आदि जैसी अन्य एजेंसियों के साथ जन संपर्क बनाए रखना शामिल हैं।

सामाजिक मीडिया

- फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम पर संग्रहालय का अकाउंट हैं। फेसबुक: salarjungmuseum & library, ट्विटर: @sjmhyd, इंस्टाग्राम: salarjungmuseumhyd
- आगंतुकों को लिए वर्ष 2020 से बुक माई शो के माध्यम से ऑनलाइन टिकट बुकिंग शुरू की गई थी
- संग्रहालय ने पर्यटकों के लिए अक्टूबर 2021 में मोबाइल ऑडियो मार्गदर्शन ऐप शुरू किया है।
- वर्ष 2020 में तीन भाषाओं में नई वेबसाइट शुरू की गई थी।

रासायनिक संरक्षण स्कंध

रासायनिक संरक्षण स्कंध अमूल्य कलाकृतियों का क्षति और खराबी को सुरक्षित परिरक्षण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। संरक्षण अनुभाग अपने तकनीकी कर्मचारियों के साथ इन वस्तुओं के संरक्षण और उपचार के लिए जिम्मेदार है। संग्रहालय में परिरक्षण इकाई भी है। रासायनिक संरक्षण स्कंध के कार्य निम्नानुसार हैं: दीर्घाओं में प्रदर्शित और भंडार (आरक्षित संग्रह) में परिरक्षित कलात्मक कलाकृतियों की जांच करना। क्षति/खराबी के कारणों का पता लगाना। प्राथमिकता के आधार पर वस्तुओं के उपचार के लिए की जाने वाली अनुवर्ती कार्रवाई का निर्धारण करना और आवश्यक उपचार के प्रकार पर भी निर्णय लेना।
उस वस्तु का उपचार करना जो परिपक्षक और निवारक दोनों प्रकृति का हो।

इंजीनियरी स्कंध

निम्नलिखित कार्य हेतु इंजनियरी स्कंध की स्थापना वर्ष 1994 में की गई थी (i) सिविल और वियुत दोनों कार्यों के निष्पादन की निगरानी करना, (ii) परिरक्षण की देखभाल करना, (iii) भवन अनुरक्षण जिसमें जल आपूर्ति, मल-निकासी, वातानुकूलन और बागवानी विकास शामिल है। वर्तमान में, अभियांत्रिकी स्कंध दीर्घाओं के पुनर्गठन की सतत परियोजना में जुड़ा हुआ है।

सौर ऊर्जा संयंत्र

संग्रहालय ने तेलंगाना न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (टीएनआरईडीसीएल) की सहायता से 650 kwp सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित और शुरू किया था। सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना से संग्रहालय लगभग वियुत शुल्क पर प्रति वर्ष 60 लाख रुपये की बचत कर रहा है।

सभागार

संग्रहालय के पश्चिमी ब्लॉक में अपने शैक्षणिक कार्यक्रम और सांस्कृतिक कार्यकलापों का आयोजन करने के लिए एक वातानुकूलित 'सभागार' है जिसमें 225 लोग बैठ सकते हैं। संग्रहालय जनहित में सरकारी संगठनों को उनके अनुरोध पर उनकी आधिकारिक बैठकें अर्थात शैक्षणिक और संबंधित कार्यक्रम आयोजित करने के लिए सभागार मुहैया कराता है।

व्याख्यान कक्ष

संग्रहालय के पूर्वी ब्लॉक में संगोष्ठी, व्याख्यान जैसे संग्रहालय संबंधी शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन करने के लिए एक 'छोटा व्याख्यान कक्ष' है जिसमें 120 लोग बैठ सकते हैं। संग्रहालय जनहित में सरकारी संगठनों को उनके अनुरोध पर उनकी आधिकारिक बैठकें अर्थात शैक्षणिक और संबंधित कार्यक्रम आयोजित करने के लिए व्याख्यान कक्ष मुहैया कराता है।

संग्रहालय कर्मचारी

परिरक्षक कर्मचारियों में क्यूरेटर, उप क्यूरेटर और दीर्घा सहायक शामिल हैं। उनका मुख्य कार्य प्रदर्शन और भंडार (आरक्षित संग्रहण) दोनों में रखे कलाकृतियों की उचित सुरक्षा सुनिश्चित करना और उनके प्रलेखन, दीर्घाओं और आरक्षित संग्रहण का अनुरक्षण सुनिश्चित करना है। प्रदर्शनियों के आयोजन और दीर्घा संबंधी व्यवस्था की देखभाल करने के लिए क्यूरेटर जिम्मेदार है। इसके अतिरिक्त यहां एक फोटोग्राफी अनुभाग भी है। वरिष्ठ गाइड व्याख्याता और गाइड व्याख्याता की सहायता से पर्यटकों के मार्गदर्शित दौरे आयोजित करते हैं और संग्रहालय का उदगम तथा उसका महत्व और प्रदर्शन में रखी गई वस्तुओं के महत्व पर व्याख्यान देते हैं।

सालार जंग संग्रहालय बोर्ड का गठन

संग्रहालय के कार्यकलापों का प्रबंधन सालार जंग संग्रहालय बोर्ड द्वारा किया जाता है, जिसके अध्यक्ष तेलंगाना के महामहिम राज्यपाल, पदेन अध्यक्ष और भारत सरकार और तेलंगाना राज्य सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले दस अन्य व्यक्ति इसमें सदस्य होते हैं। 11 सदस्यों में से पांच सदस्य पदेन होते हैं और छह सदस्य मनोनीत होते हैं।

बोर्ड को प्रशासनिक, वित्तीय और विकासात्मक कार्यकलापों से संबंधित मामलों पर निर्णय लेने के लिए चार समितियों अर्थात; कार्यकारी, वित्तीय, भवन सलाहकार और संग्रहालय विकास समितियों द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।

बोर्ड की संरचना

(क) तेलंगाना राज्य के राज्यपाल, — पदेन अध्यक्ष

(ख) संबंधित मंत्रालय में भारत सरकार के प्रतिनिधि, जो सालार जंग संग्रहालय से संबंधित कार्य देखते हो और जो उप-सचिव, के स्तर से कम न हो। — पदेन सदस्य

(ग) महापौर, हैदराबाद महानगर निगम — पदेन अध्यक्ष

(घ) उस्मानिया विश्वविद्यालय के कुलपति, — पदेन अध्यक्ष

(ङ) महालेखाकार, तेलंगाना — पदेन अध्यक्ष

(च) *केंद्र सरकार द्वारा नामित किया जाने वाला व्यक्ति, जो दिवंगत नवाब सालार जंग बहादुर के परिवार का सदस्य हो, जिनकी मृत्यु 02 मार्च, 1949 को हुई थी।

(छ) *केंद्र सरकार द्वारा नामित तीन व्यक्ति, जिन्हें यथासंभव संग्रहालयों से संबंधित मामलों का ज्ञान एवं अनुभव हो।

(ज) *राज्य सरकार द्वारा नामित दो व्यक्ति। मनोनित सदस्यों का कार्यकाल 05 वर्ष का होता है।

वर्ष 2023-24 के लिए बोर्ड के सदस्यों के नाम निम्नानुसार हैं

1.	डॉ तमिलिसै सौंदरराजन महामहिम राज्यपाल, तेलंगाना, हैदराबाद (08 फरवरी 2020 से)	पदेन अध्यक्ष
2.	संयुक्त सचिव (संग्रहालय) संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली	पदेन सदस्य
3.	श्रीमती गडवाल विजय लक्ष्मी, माननीय महापौर पदेन सदस्य हैदराबाद महानगर निगम, हैदराबाद दिनांक 11-02-2021 से	
4.	प्रोफेसर डी. रविंदर, कुलपति, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद। (24-5-2021 से)	पदेन सदस्य
5.	(i) श्री अनिंद्धा दास गुप्ता, IA &A S महालेखाकार (लेखा एवं हकदार) तेलंगाना राज्य, हैदराबाद (11 अक्टूबर 2022 तक) (ii) श्री जितेन्द्र एस करापे, IA &A S प्रधान महालेखाकार (A &E) तेलंगाना राज्य, हैदराबाद (12 अक्टूबर 2022 से)	पदेन सदस्य
6.	नवाब एहतराम अली खान, म. सं. 9-4-2, टोली चौकी, (सालार जंग परिवार) हैदराबाद।	नामित सदस्य भारत सरकार
7.	प्रो वी किशन राव, एआईएचसीए के H.O.D. (सेवानिवृत्त) रजिस्ट्रार (सेवानिवृत्त) उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद	नामित सदस्य भारत सरकार
8.	डॉ. एस. जय किशन अध्यक्ष, भवन्स न्यू साइंस कॉलेज रामकोट, हैदराबाद	नामित सदस्य भारत सरकार
9.	डॉ. जी. कमलाकर निदेशक (सेवानिवृत्त), बिड़ला विज्ञान संग्रहालय, हैदराबाद।	नामित सदस्य भारत सरकार
10.	डॉ. राममोहन जोघु, श्री मीनाक्षी अस्पताल, बोयापल्ली गेट रोड, तेलंगाना चौरास्ता के नजदीक, महबूब नगर, तेलंगाना राज्य (राजपत्रित अधिसूचना दिनांक 23 नवंबर, 2021 शुद्धिपत्र दिनांक 31 दिसंबर, 2021)	नामित सदस्य तेलंगाना सरकार

11. श्री रमेश जमालपुर — नामित सदस्य
म. सं 2-8-2/1, — तेलंगाना सरकार
भारतीय स्टेट बैंक के नजदीक, मार्केट रोड,
महबूब नगर, तेलंगाना
(राजपत्रित अधिसूचना दिनांक 23 नवंबर, 2021)
शुद्धिपत्र दिनांक 31 दिसंबर, 2021)

भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय की ओर से सालार जंग संग्रहालय बोर्ड का प्रतिनिधित्व करने के लिए संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त सचिव को सदस्य के रूप में नामित किया गया है।

वर्ष के दौरान डॉ. तमिलिसै सौंदरराजन, तेलंगाना राज्य के महामहिम राज्यपाल और अध्यक्ष, सालार जंग संग्रहालय बोर्ड की अध्यक्षता में दिनांक 11 अक्टूबर, 2023 को सालार जंग संग्रहालय बोर्ड की बैठक आयोजित की गई थी। सालार जंग संग्रहालय बोर्ड के 6 नामित सदस्यों का कार्यकाल 4 फरवरी, 2024 को पूरा हो गया।

कार्यकारी समिति:

कार्यकारी समिति में 5 सदस्य होते हैं। पदेन अध्यक्ष के रुप में उस्मानिया विश्वविद्यालय के कुलपति और बोर्ड के चार (4) मनोनीत सदस्य होते हैं।

कुलपति, उस्मानिया विश्वविद्यालय

1. प्रोफेसर डी रविंदर, — पदेन अध्यक्ष
कुलपति, उस्मानिया विश्वविद्यालय

2. (i) अनिंद्धा दास गुप्ता, IA &A S; — सदस्य
महालेखाकार (A &E), हैदराबाद।
(11 अक्टूबर 2022 तक)
(ii) श्री जितेन्द्र एस करापे, IA &A S
प्रधान महालेखाकार (A &E) तेलंगाना राज्य, हैदराबाद
(12 अक्टूबर 2022 से)

3. उप सचिव (सदस्य)/निदेशक (सदस्य) — सदस्य
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
4. नवाब एहतराम अली खान सदस्य
म. सं 9-4-2, टोली चौकी,
हैदराबाद।

5. प्रो. वी किशन राव — सदस्य
भूतपूर्व पंजीयक, उस्मानिया विश्वविद्यालय,
हैदराबाद

उस्मानिया विश्वविद्यालय के कुलपति और कार्यकारी समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर डी. रविंदर की अध्यक्षता में कार्यकारी समिति की बैठक दिनांक 09 अक्टूबर 2023 को बुलाई गई थी। एसजेएम बोर्ड के नामित सदस्यों के कार्यकाल के पूरा होने के परिणामस्वरूप कार्यकारी समिति के नामित सदस्यों का कार्यकाल 04 फरवरी, 2024 तक पूरा हो गया।

वित्त समिति

वित्त समिति में 6 सदस्य होंगे

i)	महालेखाकार (A&E) तेलंगाना	पदेन अध्यक्ष
ii)	अध्यक्ष, सालार जंग संग्रहालय बोर्ड	सदस्य
	द्वारा नामित बोर्ड के सदस्य,	
iii)	कुलपति, पदेन सदस्य, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद।	सदस्य
iv)	वित्तीय सलाहकार, संस्कृति मंत्रालय या उनके प्रतिनिधि जो उप वित्तीय सलाहकार के स्तर से कम न हो।	पदेन सदस्य
v)	भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय द्वारा मनोनीत	पदेन सदस्य
vi)	निदेशक, सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद	सदस्य, सचिव

वित्त समिति के सदस्यों के नाम निम्नानुसार हैं

1)	(i) श्री अनिंद्धा दास गुप्ता, IA &A S महालेखाकार (A &E) तेलंगाना राज्य हैदराबाद। (11 अक्टूबर 2022 तक) (ii) श्री जितेन्द्र एस करापे, IA &AS प्रधान महालेखाकार (A &E) तेलंगाना राज्य, हैदराबाद (12 अक्टूबर 2022 से)	पदेन अध्यक्ष
2)	डॉ. जी. कमलाकर निदेशक, सेवानिवृत्त। बिड़ला संग्रहालय, हैदराबाद।	सदस्य
3)	प्रोफेसर डी. रविंदर, कुलपति उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद।	पदेन सदस्य
4)	वित्तीय सलाहकार (आईएफडी) या उनके प्रतिनिधि जो उप वित्तीय सलाहकार भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली के स्तर से कम न हो	पदेन सदस्य
5)	निदेशक (सदस्य), संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार।	पदेन सदस्य
6)	डॉ. ए. नागेंद्र रेड्डी निदेशक सालारजंग संग्रहालय, हैदराबाद	सदस्य, सचिव

वित्त समिति ने वर्ष 2022-23 के लिए दिनांक 12 जुलाई, 2023 को संग्रहालय के वार्षिक लेख को अनुमोदित कर दिया को मंजूरी दी और संग्रहालय को तेलंगाना के लेखा परीक्षा महानिदेशक (केंद्री) के कार्यालय से लेखा परीक्षा दल को आमंत्रित करने की अनुमति दी थी।

एसजेएम बोर्ड के नामित सदस्यों के कार्यकाल के पूरा होने के परिणामस्वरूप वित्त समिति के नामित सदस्यों का कार्यकाल 4 फरवरी, 2024 तक पूरा हो गया।

भवन सलाहकार समिति

1.	प्रोफेसर डी. रविंदर कुलपति, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद	पदेन अध्यक्ष
2.	(i) अनिंद्धा दास गुप्ता महालेखाकार (A &E), तेलंगाना राज्य, हैदराबाद। (11 अक्टूबर 2022 तक) (ii) श्री जितेंद्र एस. करापे, IA &A S प्रधान महालेखाकार, (A &E) तेलंगाना राज्य, हैदराबाद (12 अक्टूबर 2022 से)	पदेन सदस्य
3.	सिविल अभियांत्रिकी विभाग के प्रो. (उस्मानिया विश्वविद्यालय के कुलपति को नामित करने का अनुरोध किया जाएगा)	सदस्य
4.	जेएनएफएयू से वरिष्ठ प्रोफेसर (जेएनएफएयू के कुलपति को नामित करने का अनुरोध किया जाएगा)	सदस्य
5.	डॉ. जी. कमलाकर निदेशक, सेवानिवृत्त। बिड़ला संग्रहालय, हैदराबाद।	सदस्य
6.	डॉ. एस जय किशन अध्यक्ष भवन्स न्यू साइंस कॉलेज रामकोट, हैदराबाद।	सदस्य
7.	निदेशक सालार जंग संग्रहालय	सदस्य

एसजेएम बोर्ड के मनोनीत सदस्यों का कार्यकाल पूरा होने के परिणामस्वरूप भवन समिति के मनोनीत सदस्यों का कार्यकाल 4 फरवरी, 2024 को पूरा हो गया।

संग्रहालय विकास समिति

इसमें मुख्य सचिव, तेलंगाना सरकार और 6 मनोनीत सदस्य शामिल होंगे।

	मुख्य सचिव, तेलंगाना सरकार, हैदराबाद	पदेन अध्यक्ष
1.	1 आयुक्त, जीएचएमसी	सदस्य
2.	महालेखाकार (A &E), तेलंगाना	पदेन सदस्य
3.	2. प्रधान सचिव/सचिव, पर्यटन और संस्कृति विभाग, तेलंगाना सरकार	पदेन सदस्य
4.	नवाब एहतराम अली खान सदस्य एसजेएम बोर्ड के सदस्य	
5.	एसजेएम बोर्ड के सदस्य, तेलंगाना सरकार के प्रतिनिधि	सदस्य
6.	निदेशक सदस्य सालार जंग संग्रहालय	

एस. जे. एम. बोर्ड के मनोनीत सदस्यों का कार्यकाल पूरा होने के परिणामस्वरूप संग्रहालय विकास समिति के नामित सदस्यों का कार्यकाल दिनांक 04 फरवरी, 2024 को पूरा हो गया।

वित्तीय स्थिति, एक नजर में
2023-2024

(रुपये लाख में)

	अनुदान	व्यय	कुल	शेष
31-सामान्य सहायता अनुदान (लेखा/शेष 27.73 रुपये + अनुदान 1100.00 रुपये) संग्रहालय अनुदान 33.00	1127.73 33.00	31-सामान्य सहायता अनुदान संग्रहालय अनुदान	1127.73 +14.53 1142.26	18.47
35-सामान्य सहायता अनुदान – सीसीए	100.00	35-जीआईए - सीसीए	100.00	0.00
36-सामान्य सहायता अनुदान - वेतन	1320.00	36-जीआईए - वेतन	1320.00	0.00
96.31 स्वच्छ भारत	2.00	96.31 स्वच्छ भारत	2.00	0.00
कुल:	2582.73	Total:	2564.26	18.47

वर्ष के दौरान 684.15 लाख रुपये की गेट रसीदें और अन्य प्राप्तियां प्राप्त हुईं।

<u>आगंतुक</u>: पिछले पांच वित्तीय वर्षों 2019-20 से 2023-24 तक आगंतुकों की संख्या दर्शाने वाला तुलनात्मक विवरण नीचे दिया गया है:

वित्तीय वर्ष	भारतीय आगंतुक	गैर-भारतीय आगंतुक	राजस्व रुपये में
2019-20	12,11,766	6,829	2,10,26,660
2020-21	1,47,746	84	28,12,010
2021-22	4,30,245	505	1,38,21,830
2022-23	9,68,475	4,354	4,41,39,590
2023-24	9,66,895	5,537	4,40,77,560

रिपोर्ट वर्ष के दौरान 9,72,432 आगंतुकों (जिनमें 5,537 गैर-भारतीय आगंतुक शामिल हैं) ने संग्रहालय का दौरा किया। प्रवेश टिकटों की बिक्री से एकत्रित राजस्व 4,40,77,560/- रुपये (जिसमें गैर-भारतीय आगंतुकों से 27,68,500/- रुपये शामिल हैं) है।

शैक्षणिक कार्यकलाप

इस अवधि के दौरान संग्रहालय में 35 प्रदर्शनियां (21 अस्थायी प्रदर्शनियां और 14 ऑनलाइन प्रदर्शनियां), धार्मिक, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दिवसों पर 2 व्याख्यान और 28 कार्यक्रम आयोजित किए।

क) अस्थायी प्रदर्शनियाँ :

(1) डॉ. बी.आर. अंबेडकर की जयंती पर संग्रहालय में भारत रत्न डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर से संबंधित फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें उनके बचपन, शिक्षा और राजनीतिक जीवन के इतिहास को दर्शाया गया। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन दिनांक 13 अप्रैल, 2023 को किया गया।

(2) "बुद्ध पूर्णिमा" के अवसर पर संग्रहालय में "भगवान बुद्ध" के जीवन से संबंधित एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन दिनांक 04 मई, 2023 को किया गया।

3) सालार जंग संग्रहालय में दिनांक 10 मई, 2023 को श्रीमती हेमंत तिरुपुरे के संग्रह से "अशोकन एडिक्ट्स" नामक एक सचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

(4) सालार जंग संग्रहालय में दिनांक 16 मई, 2023 को सुश्री शमीम कुरैशी के कार्यों को प्रदर्शित करते हुए "रब्बाना कुरानिक सुलेख" पर विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन सालार जंग संग्रहालय बोर्ड के माननीय सदस्य नवाब एहतराम अली खान ने किया था।

(5) दिनांक 12 जून, 2023 को संग्रहालय में प्रोफेसर जयधीर थिरमा राव के अवशेषों के अनूठे संग्रह से संबंधित विशेष प्रदर्शनी "आद्या कला" का आयोजन किया गया। श्री अरविंद कुमार, आईएएस प्रमुख सचिव, नगर प्रशासन, तेलंगाना सरकार ने इस प्रदर्शनी का उद्घाटन कियाथा।

(6) दिनांक 21 जून, 2023 को "अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस" के अवसर पर 'विभिन्न योग आसन और उसके लाभ' पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। प्रदर्शनी के उद्घाटन के साथ-साथ संग्रहालय के कर्मचारियों और सीआईएसएफ कर्मियों के लिए एक योग सत्र का भी आयोजन किया गया।

(7) नवाब मीर यूसुफ अली खान सालार जंग III की जयंती के अवसर पर संग्रहालय में उनके अनुकरणीय जीवन शैली को प्रदर्शित करने वाली एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन दिनंक 10 जुलाई, 2023 को किया गया।

(8) सालार जंग संग्रहालय में मेयो एलुमनी कलाकार समूह के सहयोग से "द पैलेट" नामक एक चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, इस प्रदर्शनी का उद्घाटन दिनांक 12 जुलाई, 2023 को किया गया।

(9) स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तथा आज़ादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में एक विशेष फोटो प्रदर्शनी "भारतीय स्वतंत्रता संग्राम (1857 - 1947)" का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन दिनांक 15 अगस्त, 2023 को किया जाएगा।

(10) सालार जंग संग्रहालय में सिग्मा एकेडमी ऑफ फोटोग्राफी के सहयोग से दिनांक 22 अगस्त, 2023 को एक चित्र कला प्रदर्शनी, "कालातीत प्रदर्शनी" का आयोजन किया गया।

(11) हैदराबाद मुक्ति दिवस के अवसर पर "हैदराबाद की मुक्ति" (ऑपरेशन पोलो) पर एक विशेष प्रदर्शनी आयोजित की गई। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन दिनांक 16 सितंबर, 2023 को किया गया।

(12) दिनांक 01 अक्टूबर, 2023 को गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर "महात्मा गांधी" पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया।

(13) दुर्गा पूजा और नवरात्रि के दौरान दिनांक 19 अक्टूबर, 2023 को "देवी दुर्गा" पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया।

(14) दिनांक 09 नवंबर, 2023 को "दीपावली – रोशनी का त्योहार" पर विशेष फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया।

(15) संग्रहालय में भारतीय संविधान दिवस को विशेष चित्र प्रदर्शनी "भारतीय संविधान दिवस" के माध्यम से मनाया गया। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन दिनांक 25 नवंबर, 2023 को किया गया।

(16) "संग्रहालय स्थापना दिवस" के अवसर पर, सालार जंग संग्रहालय के आरक्षित संग्रह से "हुक्का" पर एक अस्थायी प्रदर्शनी तैयार की गई और दिनांक 16 दिसंबर, 2023 को इसका उद्घाटन किया गया। श्री आशीष गोयल, अपर महानिदेशक, राष्ट्रीय संग्रहालय और निदेशक सालार जंग संग्रहालय और सालार जंग संग्रहालय बोर्ड के माननीय सदस्य डॉ. जी. कमलाकर ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

(17) क्रिसमस के अवसर पर संग्रहालय में दिनांक 21 दिसंबर, 2023 को एक विशेष प्रदर्शनी "मेरी क्रिसमस" का आयोजन किया गया।

(18) दिनांक 11 जनवरी, 2024 को संग्रहालय सप्ताह समारोह के दौरान एक विशेष फोटो प्रदर्शनी "विभिन्न रंगोली पैटर्न" का उद्घाटन किया गया।

(19) गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर संग्रहालय में स्वतंत्रता सेनानियों पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन दिनांक 25 जनवरी, 2024 को किया गया।

(20) दिनांक 10 फरवरी, 2024 को चित्रकला की एक कला प्रदर्शनी "उत्कृष्ट चित्रकला" का उद्घाटन किया गया। इसमें पूरे भारत से पचास (50) कलाकारों ने भाग लिया।

(21) "अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस" के अवसर पर, दिनांक 07 मार्च, 2024 को सालार जंग संग्रहालय में "विभिन्न कला रूपों में महिलाएँ" नामक विशेष फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया, इस फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन आरजीआईए हैदराबाद के महानिदेशक डी. श्यामला ने किया।

इस अवधि के दौरान संग्रहालय में गूगल कला और संस्कृति मंच पर ऑनलाइन प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया। बाद में कला प्रेमियों, इतिहासकारों, छात्रों और आम जनता के हित के लिए उन्हें सालार जंग संग्रहालय के फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम पेज पर प्रकाशित किया गया।

क्रम सं	प्रदर्शनी का नाम	तिथि
i	कला में महिलाएँ	21 अप्रेल 2023
ii	भारतीय आधुनिक कला के जनक	18 मई 2023
iii	कला निष्पादक	21 जून 2023
iv	वर्षा के गीत	20 जुलाई 2023
v	चीनी मिट्टी के बर्तनों में परोसना	22 अगस्त 2023
vi	लौ का घेरा	14 सितम्बर 2023
vii	हैदराबाद मुक्ति संस्थान (एनसीएसएम के सहयोग से वेब आधारित आभासी प्रदर्शनी)	17 सितंबर 2023
viii	पश्चिमी कांस्य	10 अक्तूबर 2023
ix	राधा कृष्ण	27 अक्तूबर 2023
x	दरबारी वैभव	14 नवंबर 2023
xi	हुक्का की कहानी	16 दिसंबर 2023
xii	कला में हुक्का	27 जनवरी 2024
xiii	गंजिफा की कहानी	15 फरवरी 2024
xiv	गंगा नदी की स्तुति	14 मार्च 2024

ख) व्याख्यान

• पशु रेशों का पता लगाने के लिए भारतीय संग्रहालयों से प्राचीन शॉलों के "डीएनए अध्ययन" पर सालार जंग संग्रहालय में दिनांक 01 फरवरी, 2024 को सीसीएमबी, हैदराबाद के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. कार्तिकेयन वासुदेवन ने व्याख्यान दिया।

• दिनांक 17 अक्टूबर, 2023 को कलाकृति इंडिया आर्ट गैलरी, हैदराबाद के सहयोग से रमशा फौजाना, गैलरी सहायक एसजेएम और डी. रमानी कुमारी, गाइड लेक्चरर एसजेएम द्वारा "संग्रहालय और समाज में संग्रहालय की भूमिका", विषय पर प्रशिक्षु छात्रों के लिए एक प्रस्तुति आयोजित की गई थी।

ग) कार्यक्रम

1) संग्रहालय द्वारा बच्चों के लिए 1 मई से 17 मई, 2023 तक नियमित शैक्षणिक कार्यकलापों के रूप में "ग्रीष्मकालीन कला शिविर - 2023" का आयोजन किया गया। इस कला शिविर का उद्घाटन टेबल टेनिस की राष्ट्रीय खिलाड़ी सुश्री नैना जायसवाल द्वारा किया गया। इस शिविर में बच्चों को ड्राइंग, पेंटिंग, शिल्प और योग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया गया।

2) संस्कृति मंत्रालय द्वारा दिनांक 18 से 20 मई 2023 तक नई दिल्ली में तीन दिवसीय "अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय एक्सपो 2023" का आयोजन किया गया। सालार जंग संग्रहालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने इस संग्रहालय एक्सपो में भाग लिया। प्रगति मैदान के हॉल में कई लघु चित्रों सहित दो महान नायकों से संबंधित कलाकृतियां प्रदर्शित किए गए।

3) "अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2023" के अवसर पर "योग उत्सव" के संबंध में, माननीय केंद्रीय मंत्री ने 25 दिवसीय कार्यक्रम में अपने परिवार के सदस्यों के साथ योग उत्सव में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया, जिसका उद्घाटन दिनांक 27 मई, 2023 को किया गया और संग्रहालय के अधिकारी और कर्मचारी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

4) सालार जंग III (नवाब मीर यूसुफ अली खान) की जयंती समारोह. नवाब मीर यूसुफ अली खान, सालार जंग III की 134वीं जयंती समारोह के अवसर पर दिनांक 14 जून, 2023 को उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई।

- दिव्यांग वाले बच्चों ने संग्रहालय का दौरा किया।

- जरूरतमंदों के लिए एक विशेष रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया

5) दिनांक 21 जून, 2023 को "अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस" के अवसर पर संग्रहालय में संग्रहालय के कर्मचारियों और सीआईएसएफ कर्मियों के लिए योग सत्र का आयोजन किया गया।

6) दिनांक 21 जून 2023 को "विश्व संगीत दिवस" के अवसर पर सालार जंग संग्रहालय में संगीत समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें लोक और आदिवासी कलाकारों ने प्रस्तुति पेश की।

7) संग्रहालय में दिनांक 08 जुलाई 2023 को सायं 7:00 बजे से शरद गुप्ता द्वारा लिखित "शाम-ए-ग़ज़ल" का आयोजन किया गया। यह सालार जंग III की स्मृति में आयोजित किया गया।

8) संस्कृति मंत्रालय ने दिनांक 06 अगस्त, 2023 को नई दिल्ली में दो दिवसीय "पुस्तकालय महोत्सव" का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

9) संस्कृति मंत्रालय ने "मेरी माटी मेरा देश" अभियान का शुभारंभ दिनांक 10 अगस्त, 2023 को किया, जिसका उद्देश्य संग्रहालय परिसर में पौधारोपण पर ध्यान केंद्रित करना था।

10) भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा गाए गए "स्वतंत्र स्वरम" गीतों पर दिनांक 13 अगस्त 2023 को श्री कोदंडपाणि संगीत विद्या संस्था के सहयोग से संग्रहालय में एक नृत्य और संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

11) सालार जंग संग्रहालय के कर्मचारी और सीआईएसएफ इकाई ने दिनांक 14 अगस्त, 2023 को गर्व से हाथ में 'तिरंगा' थामे हुए "हर घर तिरंगा" समारोह मनाया।

12) दिनांक 15 अगस्त 2023 को सालार जंग संग्रहालय में "स्वतंत्रता दिवस" मनाया गया। ध्वजारोहण और मिठाई वितरण सहित स्वतंत्रता दिवस का जश्न मनाया गया।

13) भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय के निदेशानुसार हिंदी प्रभाग, सालार जंग संग्रहालय ने 15 दिवसीय (दिनांक 14 से 28 सितंबर 2023 तक) "हिंदी पखवाड़ा" का आयोजन किया। इस दौरान कार्यशाला, अंत्याक्षरी और प्रश्नोत्तरी जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। हिंदी पखवाड़ा के उद्घाटन समारोह में केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, सिकंदराबाद के सहायक निदेशक श्री संतोष कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे।

14) दिनांक 02 अक्टूबर 2023 को "गांधी जयंती" के अवसर पर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

15) संग्रहालय में दिनांक 05 अक्टूबर, 2023 को इस्मत चुगताई की कहानियों पर आधारित नाटक "कागज़ के गुब्बारे" का मंचन किया गया।

16) दिनांक 10 अक्टूबर, 2023 को 'द टॉर्न कर्टेन्स' के सहयोग से "स्तन कैंसर" जागरूकता पर "हाफ ए कप फुल" शीर्षक नाटकीय प्रदर्शन आयोजित किया गया।

17) तेलंगाना राज्य में मनाए जाने वाले दशहरा नवरात्रि महोत्सव के अवसर पर दिनांक 19 अक्टूबर, 2023 को संग्रहालय में "बथुक्कम्मा" पुष्प उत्सव मनाया गया।

18) दिनांक 30 अक्टूबर, 2023 को एसआईएम के कर्मचारियों ने "सतर्कता जागरूकता" शपथ ली।

19) दिनांक 17 नवंबर, 2023 को नवाब मीर यूसुफ अली खान, सालार जंग III को उनकी 75वीं पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित की गई।

20) संग्रहालय में दिनांक 14 से 20 नवंबर, 2023 तक "बाल सप्ताह" मनाया गया। स्कूली छात्रों के लिए तीन प्रमुख कार्यक्रम – निबंध लेखन, भाषण और चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई और विजेताओं को प्रमाण पत्र के साथ नकद पुरस्कार भी दिए गए।

21) संग्रहालय स्थापना दिवस: दिनांक 16 दिसंबर, 2023 को सालार जंग संग्रहालय में संग्रहालय स्थापना दिवस मनाया गया। श्री आशीष गोयल आईआईएस, अपर महानिदेशक, राष्ट्रीय संग्रहालय और निदेशक, सालार जंग संग्रहालय ने मीर यूसुफ अली खान बहादुर सालार जंग III की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस समारोह में नवाब अथेराम अली खान, प्रो.वी.किशन राव और डॉ.जे.किशन माननीय बोर्ड सदस्य शामिल हुए थे। इस अवसर पर खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं और विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

22) संग्रहालय सप्ताह: सालार जंग संग्रहालय में संग्रहालय सप्ताह मनाया गया, इस दौरान निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए:-

दिनांक 11 जनवरी 2024 को सालार जंग संग्रहालय की महिला कर्मचारियों द्वारा उभय-निष्ठ रंगोली बनाई गई।

दिनांक 12 जनवरी 2024 को महिलाओं (तीन समूहों) के लिए "आजादी का अमृत महोत्सव" विषय पर रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

23) गणतंत्र दिवस: सालार जंग संग्रहालय में स्वतंत्रता सेनानियों की याद में दिनांक 26 जनवरी, 2024 को "गणतंत्र दिवस" मनाया गया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई, सीआईएसएफ कर्मियों ने परेड मार्च किया और राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

24) दिनांक 30 जनवरी को प्रातः 11:00 बजे संग्रहालय में 2 मिनट का मौन रखकर "शहीद दिवस" मनाया गया।

25) पुरालेख संग्रहालय: दिनांक 05 फरवरी, 2024 को सालार जंग संग्रहालय में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा आयोजित कार्यक्रम में श्री जी किशन रेड्डी, माननीय केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री, भारत सरकार द्वारा भारत के पहले पुरालेख संग्रहालय की आधारशिला रखी गई।

26) दिनांक 05 मार्च, 2024 को भारत सरकार की माननीय वस्त्र और रेल राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश द्वारा संग्रहालय में "कॉटेज एम्पोरियम" (स्मारिका दुकान) का उद्घाटन किया गया।

27) सालार जंग संग्रहालय में "अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस" मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सीआईएसएफ राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा हैदराबाद की महानिदेशक श्रीमती डी. श्यामला उपस्थित थीं। उन्होंने अपने शुरुआती करियर के संघर्षों के बारे में व्याख्यान दिया। इस व्याख्यान ने दर्शकों को समानता की ओर बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर सालार जंग संग्रहालय की महिला कर्मचारियों और सीआईएसएफ कर्मियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम (नृत्य, ग़ज़ल गायन और कविता) प्रस्तुत किया गया।

28) दिनांक 22 मार्च, 2024 को संग्रहालय के भीतर वातानुकूलन व्यवस्था के लिए दो "110 टीआर ब्लू स्टार चिलर्स" का उद्घाटन किया गया।

स्वच्छ भारत :

"स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस)" अभियान के अंतर्गत सलार जंग संग्रहालय और उसके आसपास अपशिष्ट की सफाई और सौंदर्यीकरण के लिए दिनांक 01 अक्टूबर 2023 को विशेष कार्यक्रम "1 तारीख 1 घंटा", का आयोजन सुबह 10:00 बजे से 11:00 बजे तक किया गया।

समय-समय पर संग्रहालय के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा सीआईएसएफ स्टाफ परिसर एवं भवनों की छतों की सफाई करते हैं।

रासायनिक संरक्षण प्रयोगशाला:

इस अवधि के दौरान विभिन्न श्रेणियों की 635 कलाकृतियों का रासायनिक शोधन कर उन्हें संरक्षित किया गया है। इसके अतिरिक्त रासायनिक प्रयोगशाला में गैर-कला-कृतियों (पुस्तकों और रजिस्टरों सहित) से संबंधित शोधन कार्य भी किए गए।

कला-कृतियों का वास्तविक सत्यापन:

इस अवधि के दौरान -5157 कला-कृतियों का वास्तविक सत्यापन किया गया।

दस्तावेजीकरण और डिजिटलीकरण:

इस अवधि के दौरान-184 कला-कृतियों को जतन प्रबंधन सॉफ्टवेयर में प्रकाशित किया गया है और इस संबंध में अब तक कुल 47,981 कार्य किए गए हैं।

पुरस्कार

विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर तेलंगाना सरकार ने सालार जंग संग्रहालय द्वारा प्रकाशित डॉ. एस. जय किशन द्वारा लिखित पुस्तक "साइंस ऑफ स्वॉर्ड" को विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर सम्मानित किया

- सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद को 3 (तीन) आईएसओ प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया है, अर्थात -

(i) आईएसओ 9001: 2015 के अंतर्गत संग्रहालय के कार्यों में कला-कृतियों का अधिग्रहण/संग्रहण, कला-कृतियों का संरक्षण, कला-कृतियों पर अनुसंधान, जनता के लिए कला-कृतियों की प्रदर्शनी और कला-कृतियों का दस्तावेजीकरण शामिल है।

(ii) आईएसओ 50001: 2018: बचत संबंधी कार्यप्रणालियों के कार्यान्वयन हेतु

(iii) हरियाली और पर्यावरण संवर्धन कार्यकलापों के कार्यान्वयन के लिए आईएसओ 14001:2015। यह पुरस्कार एसजेएम के निदेशक को दिनांक 26 अप्रैल, 2023 को राजभवन में तेलंगाना के माननीय राज्यपाल और सालार जंग संग्रहालय बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. तमिलिसाई सौंदराजन की उपस्थिति में प्रदान किया गया।

दीर्घाओं का विकास/पुनर्गठन:

दिनांक 21 जनवरी 2024 को माननीय केंद्रीय संस्कृति, पर्यटन और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री जी किशन रेड्डी द्वारा पांच दीर्घाओं (नई और पुनर्गठित) का उद्घाटन किया गया। दीर्घाओं में निम्नलिखित शामिल हैं:

(i) बिदरी दीर्घा

(ii) भारतीय मूर्तिकला दीर्घा

(iii) लैंप और झूमर दीर्घा (नया)

(iv) यूरोपीय कांस्य प्रतिमा दीर्घा

(v) यूरोपीय संगमरमर दीर्घा

वर्ष 2023-24 के लिए वार्षिक लेखा

विषय-सूची

क्र. सं	विवरण	अनुसूची संख्या	पृष्ठ सं से- तक
1	तुलन पत्र		50
2	आय और व्यय खाता		51
3	प्राप्तियां और भुगतान खाता		52-53
अनुसूची – तुलन पत्र			
4	राजकोषीय / पूंजीगत निधि	1	54
5	राजस्व और अधिशेष	2	54
6	निर्धारित निधि	3	55
7	प्रतिभूति ऋण और उधार	4	56
8	अप्रतिभूति ऋण और उधार	5	56
9	आस्थगित देयताएं	6	56
10	चालू देयताएं और प्रावधान	7	57
11	नियत आस्तियां	8	58-59
12	निर्धारित / बंदोबस्ती निधियों से निवेश	9	60
13	निवेश - अन्य	10	60
14	समाप्त कर दिए गए आस्तियां	10क	60
14	चालू आस्तियां, ऋण, अग्रिम	11	61
अनुसूची -	आय और व्यय खाता		
15	बिक्री/सेवाओं से आय	12	62
16	प्राप्त अनुदान/सब्सिडी	13	62
17	शुल्क/सदस्यता	14	62
18	निवेश से आय	15	63
19	रॉयल्टी, प्रकाशन से आय	16	63
20	अर्जित ब्याज	17	63
21	अन्य आय	18	64
22	नियत आस्तियों की बिक्री से आय	18 क	64
23	तैयार माल और प्रगतिशील कार्य के स्टॉक में वृद्धि/कमी	19	64 65
24	स्थापना व्यय	20	66
25	अन्य प्रशासनिक व्यय आदि,	21	67
26	सीआईएसएफ पर व्यय	21क	67
27	पूर्व अवधि समायोजन	21ख	67
28	अनुदान, सब्सिडी आदि पर व्यय,	22	67
29	प्रदत्त ब्याज	23	67
30	अनुसूची 18 का अनुबंध- अन्य आय		68
31	अन्य जमा, स्टाफ को भुगतान किए गए अग्रिम और बयाना राशि	अनुबंध-11,7	68
कर्मचारियों के जीपीएफ खातें			
32	जीपीएफ तुलन पत्र		69
33	प्राप्तियां और भुगतान खाता जीपीएफ शेष		69
34	जीपीएफ खाता		69
35	जीपीएफ निवेश और जीपीएफ में जमा और निकासी से संबधित कार्यक्रम		70
36	महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां और खातों पर टिप्पणियां	24,24क	71-72
31	आकस्मिक देयताएं और खातों पर टिप्पणियां	25	73
32	दिनांक 31.03.2024 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए संग्रहालय के वार्षिक लेखों से संबंधित अलग लेखा-परीक्षा रिपोर्ट		**76-82**

वित्तीय विवरण (गैर-लाभकारी संगठन)

सालार जंग संग्रहालय

31 मार्च 2024 तक की तुलन पत्र

(राशि रुपये में)

राजकोष/पूंजीगत निधि और देयताएं	चालू वर्ष	पिछले वर्ष	अनुसूची
राजकोष / पूंजी निधि	501,173,238	509,694,333	1
आरक्षित और अधिशेष	3,188,128	4,920,206	2
निर्धारित / बंदोबस्ती निधि	14,138,590	305,905	3
प्रतिभूत ऋण और उधारी	-	-	4
अप्रतिभूत ऋण और उधारी	-	-	5
आस्थगित देयताएँ	-	-	6
चालू देयताएँ और प्रावधान	4,720,059	6,234,840	7
कुल देयताएं	**523,220,015**	**521,155,284**	

आस्तियां	चालू वर्ष	पिछले वर्ष	अनुसूची
नियत आस्तियां – सकल ब्लॉक			8
i) वर्ष की शुरुआत में	984,917,613	984,025,878	
ii) वर्ष के दौरान जोड़	3,463,677	1,047,171	
iii) जोड़ें: वर्ष के दौरान समायोजन	-	(1,55,436)	
iv) वर्ष के अंत में (i + ii)	988,381,290	984,917,613	
घटाएँ: मूल्यह्रास	547,696,309	515,791,340	
आरक्षित निधियों में समायोजन			
निवल ब्लॉक	440,684,981	469,126,273	
जोड़ें: पूंजीगत प्रगतिशील कार्य	31,400,024	25,079,507	
कुल नियत आस्तियां	472,085,005	494,205,780	8
निवेश – निर्धारित / बंदोबस्ती निधि	322,751	305,905	9
निवेश - अन्य	-	-	10
समाप्त की गई आस्तियां	-	-	10 क
चालू आस्तियां, ऋण, अग्रिम	50,812,259	26,643,599	11
विविध व्यय (उस सीमा जिसे बट्टे खाते में नहीं डाला गया है या समायोजित नहीं किया गया)	-	-	
कुल आस्तियां	**523,220,015**	**521,155,284**	

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां और लेख से संबंधित टिप्पणी 24/24क

आकस्मिक यताएं 24/24क

सालार जंग संग्रहालय

आय और व्यय खाता

दिनांक 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए

(राशि रुपये में)

	आय	चालू वर्ष		पिछले वर्ष		अनुसूची
क	बिक्री/सेवाओं से आय		62525970		58795110	12
ख	(i) केंद्र सरकार से प्राप्त अनुदान	255500000		239700000		13
घटाएं	(ii) अप्रयुक्त अनुदान	(1,846,664)		(2,772,647)		
	(iii) निवल (i - ii)	253653336		236927353		
जोड़े	(iv) पिछले वर्षों के अप्रयुक्त अनुदान का पुनर्वैधीकृत	2772647		8059194		
	(v) मंत्रालय को देय ब्याज का समायोजन	-				
	वर्ष के दौरान अप्रयुक्त अनुदान (iii + iv)	256425983		244986547		
घटाएं:	राजकोष /पूंजीगत निधि में अंतरित पूंजी खातों के लिए प्रयुक्त अनुदान (अनुसूची 1 देखें)	10000000		10000000		
निवल	(ख) राजस्व खातों के लिए प्रयुक्त अनुदान 0		246425983		234986547	
ग	सौर ऊर्जा संयंत्र के लिए एमएनआरई* से प्राप्त सब्सिडी					
घ	शुल्क / सदस्यता		0		-	14
	निर्धारित/बंदोबस्ती निधि से ब्याज आय	16846		26915		15
	निधि खाते में ब्याज आय का अंतरण (अनुसूची 9 देखें)	(16,846)		(26,915)		
ङ	प्रकाशन, रॉयल्टी आदि से आय				0	16
च	अर्जित ब्याज		1136367		1056572	17
छ	अन्य आय		5161518		3091968	18
ज	सब्सिडी वाले सौर ऊर्जा संयंत्र पर आस्थगित आय		1732078		1727345	8 & 2
झ	नियत आस्तियों की बिक्री से प्राप्त आय				-	18A
ञ	स्टॉक (प्रकाशन) में वृद्धि(+)/कमी(-)		532106		284507	19
	कुल (क)		**317,514,022**		**299,942,049**	

	व्यय	चालू वर्ष		पिछले वर्ष		
क	स्थापना व्यय		146861844		152741172	20
ख	प्रशासनिक एवं रखरखाव व्यय		63448528		67852277	21
ग	सी.आई.एस.एफ. पर व्यय		93819776		70967881	21क
घ	पूर्व अवधि के लेन-देन/समायोजन		-		(1,153,275)	21ख
ङ	अनुदान, सब्सिडी आदि पर व्यय		-		-	22
च	ब्याज		-		-	23
छ	वर्ष के लिए मूल्यह्रास (अनुसूची 8 देखें)		31904969		36838442	8
	कुल (ख)		**336035117**		**327246497**	
	आय की तुलना में शेष राशि व्यय से अधिक है (ख - क)		18521095		27304448	
	पूंजीगत आरक्षित अंतरण (अनुसूची 2 देखें)				0	
	सामान्य आरक्षित में/से अंतरण		-		-	
	शेष राशि (घाटा) को राजकोष/पूंजीगत निधि में अग्रेणित- (अनुसूची 1 देखें)		**18521095**		**27304448**	

* एमएनआरई – नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (अनुसूची 24-क के अंतर्गत टिप्पणी 5 (क) देखें)

सालार जंग संग्रहालय

प्राप्तियां एवं भुगतान खाता

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए

क्रम सं	प्राप्तियां	चालू वर्ष	पिछले वर्ष	क्रम	भुगतान	चालू वर्ष	पिछले वर्ष
I	प्रारंभिक शेष:			I	व्यय (स्थापना एवं प्रशासन आदि)		
	क) रोकड़ शेष	5000 5000	81600		क) स्थापना व्यय	146509683	152721172
	ख) बैंक में जमा शनराशि				ख) प्रशासनिक और अनुरक्षण व्यय	44440211	48082355
	i. चालू खाते में	6835444 6835444	9819869		ग) प्रकाशनों की छपाई	579700	290000
	ii. जमा खाते में				घ) प्रीपेड व्यय		85044
	iii. बचत खाता	6865120 6865120	7310036		ङ) मुद्राशास्त्रीय सम्मेलन		118147
	कुल - I	**13705564**	**17211505**		च) टीडीएस, जीएसटी और उपकर	1470801	1494653
II	प्राप्त अनुदान				छ) बयाना राशि की धनवापसी	367998	76203
	क) केन्द्र सरकार से				कुल - I	**193368393**	**202867574**
	क) सामान्य - सीआईएसएफ और संग्रहालय अनुरक्षण	110000000	102500000	II	निवेश एवं जमा:		
	ख) पूंजीगत आस्तियों के सृजन (ज 35)	10000000	10000000		i. निर्धारित निधि से इतर		-
	ग) कर्मचारियों का वेतन (ज 36)	132000000	127000000		ii. स्वयं के निधि से इतर (निवेश-अन्य)		-
	घ) स्वच्छ भारत (96.31)	200000	200000	III	(क) व्यय (पूंजीगत आस्तियों के सृजन)		
	ङ) आभासी अनुभवात्मक संग्रहालय अनुदान	3300000					
	कुल - II	**255500000**	**239700000**		1 परियोजना भवन (नया)		
	ख) राज्य सरकार से				2 मौजूदा भवन का विकास	291229	207930
	ग) अन्य स्रोत से				3 दीर्घा का पुनर्गठन	2349067	5068809
					4 पूंजीगत प्रगतिशील कार्य		
					5 कंप्यूटर और पेरिफेरल	474173	156400
					6 परस्पर संवादात्मक कार्यकलाप केन्द्र	1133819	263779
					7 प्रदर्शनी हॉल का विकास डब्ल्यू ब्लॉक	4258072	780800
					8 फोटोग्राफी, डिजिटलीकरण और दस्तावेजीकरण		240564
					9 उपकरणों आदि का संरक्षण		85644
III	टिकटों की बिक्री से आय	62525970	58795110		10 सार्वजनिक सुविधाएं		1258809
					11 दीर्घा की वातानुकूलीकरण-सीडब्ल्यूआईपी	426346	1736068
IV	निवेश से आय				12 विद्युत संस्थापन	117077	0
	क) निर्धारित/बंदोबस्ती निधि		-		13 विद्युत और अन्य उपकरण	826047	0
	ख) स्वयं निधि (अन्य निवेश)				14 फर्नीचर और फिक्चर		127499
					15 पुस्तकालय की पुस्तकें	95150	73698
					16 फर्नीचर और फिक्चर	29020	
					17 पुस्तकालय की पुस्तकें		
					18 सौर ऊर्जा संयंत्र के लिए अग्रिम		
					कुल - II (सीसीए)	**10000000**	**10000000**
	पृष्ठ कुल अग्रेणित	**331731534**	**315706615**		पृष्ठ कुल अग्रेणित	**203368393**	**212867574**

(राशि रुपये में)

कुल से अग्रेणित	**331731534**	**315706615**			कुल से अग्रेणित	**203368393**	**212867574**
से प्राप्त ब्याज			III	(ख)	व्यय (अन्य)		
बैंक में जमा / टीडीआर				1	सांस्कृतिक एवं जन शिक्षा	1934494	2818582
बचत खाता	548708	512619		2	संरक्षण	1297776	1240922
विद्युत संबंधी जमा और अन्य				3	पुस्तकालय	1740975	1776504
स्टाफ अग्रिम	422233	403165		4	पांडुलिपि	905468	849987
कुल -	**970941**	**915784**		5	फोटोग्राफी	473341	207605
				6	डिजिटलीकरण एवं दस्तावेज़ीकरण	1521552	1491245
अन्य आय (विनिर्दिष्ट करें)				7	सुरक्षा उपकरणों का रखरखाव	8283068	10629162
प्रकाशनों की बिक्री				8	सीआईएसएफ की तैनाती	93821293	77913164
पट्टा किराया	4495547	2827705		9	स्वच्छ भारत अभियान	200000	200000
विविध प्राप्तियां	202753	388666		10	आभासी अनुभवात्मक संग्रहालय व्यय	1453336	
निविदा पुस्तिका शुल्क	20000	0			कुल - III	**111631303**	**97127171**
अन्य आय (वजन मशीन / स्क्रैप की बिक्री)	200000	425033					
			IV		अधिशेष धन / ऋण की धनवापसी		
कुल -	**4918300**	**3641404.01**		क)	भारत सरकार को		-
				ख)	राज्य सरकार को		-
कोई अन्य प्राप्तियां/ वसूलियां				ग)	निधि के अन्य प्रदाताओं को		-
स्टाफ अग्रिम	243886	297568					
बयाना राशि जमा	1054354	1160069	V		वित्तीय शुल्क		-
आस्तियों की बिक्री			VI		अन्य भुगतान	0	0
टीडीएस, जीएसटी और उपकर	2323212	1978869	VII		इति शेष		
बैंक गारंटी जमा निर्गमन				क)	रेकड़ जमा	454393	5000
निर्धारित निधि	11969175			ख)	बैंक में शेष राशि		
कुल- VII	**15590627**	**3436506**			i) चालू खातों में	6377303	6835444
					ii) जमा खातों में		-
					iii) बचत खातों में	31380010	6865120
					कुल - VII	**38211706**	**13705564**
कुल	**353211402**	**323700309**			कुल	**353211402**	**323700309**

सालार जंग संग्रहालय

तुलन पत्र से संबंधित अनुसूचियां

31 मार्च 2024 तक

अनुसूची - **1**

(राशि रुपये में)

राजकोष / पूंजीगत निधि		चालू वर्ष		पिछले वर्ष	
(क)	वर्ष की शुरुआत में शेष	1043652238		1033652238	
जड़े	वर्ष के लिए राजकोष/पूंजीगत निधि में अंशदान (सीसीसी निधि + सब्सिडी)	10000000		10000000	
	वर्ष के अंत में कुल		1053652238		1043652238
(ख)	पिछले वर्ष से अग्रेणित आय की तुलने में व्यय की अधिकता	533957905		506653457	
जोड़े	आय और व्यय खाते से अंतरित व्यय की शेष राशि	18521095		27304448	
घटाएं	मूल्यह्रास विधि में परिवर्तन के कारण समायोजन			0	
घटाएं	आय की तुलना में कुल अतिरिक्त व्यय		552479000		533957905
	निवल कुल (क - ख)		**501173238**		**509694333**

अनुसूची - **2**

(राशि रुपये में)

आरक्षित और अधिशेष		चालू वर्ष	पिछले वर्ष
1	पूंजीगत आरक्षित		
	पिछले वर्ष के खाते के अनुसार	4920206	6647551
	वर्ष के दौरान जोड़		
	घटाएँ : कटौती (आय और व्यय खाते में स्थानांतरण)	1732078	1727345
	वर्ष के अंत में शेष राशि	3188128	4920206
2	आरक्षित और अधिशेष	-	-
	पिछले वर्ष के खाते के अनुसार		
	वर्ष के दौरान जोड़		
	घटाएँ : वर्ष के दौरान कटौती		
	वर्ष के अंत में शेष राशि		
3	पिछले वर्ष के खाते के अनुसार	-	-
	वर्ष के दौरान जोड़		
	घटाएँ : वर्ष के दौरान कटौती		
	वर्ष के अंत में शेष राशि		
	पिछले वर्ष के खाते के अनुसार		
4	पिछले वर्ष के खाते के अनुसार	-	-
	वर्ष के दौरान जोड़		
	घटाएँ : वर्ष के दौरान कटौती		
	वर्ष के अंत में शेष राशि		
	पिछले वर्ष के खाते के अनुसार		
	कुल	**3188128**	**4920206**

टिप्पणी

रु.17,32,078/- की आस्थगित आय, प्रभारित मूल्यह्रास के अनुरूप कटौती की जाती है (अनुसूची 24(क) के अंतर्गत टिप्पणी 5(ख) देखें)

सालार जंग संग्रहालय

तुलन पत्र से संबंधित अनुसूचियां

31 मार्च 2024 तक

अनुसूची - **3**

(राशि रुपये में)

	निर्धारित बंदोबस्ती निधि	निधि-वार विवरण			कुल	
		एसजेएम स्वर्ण पदक निधि	भूतपूर्व सैनिक कल्याण एनआरआई द्वारा प्रदेय निधि	स्वर्गीय श्री सुब्बा रामी रेड्डी और राजम्मा	चालू वर्ष	पिछले वर्ष
क)	प्रारंभिक शेष (एफडीआर में निधि का अंकित	124237	112286	69382	305905	278990
ख)	निधि में वृद्धि - प्रदेय/अनुदान		-	-	-	-
ग)	अर्जित ब्याज परंतु देय नहीं (अनंतिम)					
	i) वर्ष की शुरुआत में				0	0
	ii) वर्ष के लिए अर्जित ब्याज	6931	6044	3871	16846	26915
	iii) चालू वर्ष के अंत तक का कुल	6931	6044	3871	16846	26915
घ)	कुल क + ख + ग(iii)	131168	118330	73253	322751	305905
ङ)	निधियों के उद्देश्यों के प्रति प्रयुक्त / व्यय	-	-	-	-	-
i.	पूंजीगत व्यय					
	-नियत आस्तियां					
	- अन्य					
	कुल ङ (i)					
ii.	राजस्व व्यय					
	- वेतन, मजदूरी और भत्ते					
	- किराया					
	- अन्य प्रशासनिक व्यय					
	- आभासी अनुभवात्मक संग्रहालय				1846664	
	- अन्य शेष (केन्द्रीय एजेंसी)				11969175	
	कुल ङ (ii)					
	कुल (ङ)	-	-	-	**13,815,839**	0
	वर्ष के अंत में निवल शेष (घ - ङ)	**131,168**	**118,330**	**73,253**	**14,138,590**	**305,905**

टिप्पणी

1	प्रारंभिक शेष राशि वर्ष *2016-17* में नवीनीकृत एफडी के अंकित मूल्य को दर्शाती है (*208336* रुपये)
2	स्रोत पर टीडीएस कटौती, यदि कोई हो, विवरण के अभाव में उपलब्ध नहीं कराई गई हैं

सालार जंग संग्रहालय

तुलन पत्र से संबंधित अनुसूचियां

31 मार्च 2024 तक

अनुसूची- 4

(राशि रुपये में)

	प्रतिभूति ऋण एवं उधार	चालू वर्ष	पिछले वर्ष
1	केंद्र सरकार	-	-
2	राज्य सरकार (विनिर्दिष्ट करें)		
3	वित्तीय संस्थाएँ		
	क) सावधि ऋण		
	ख) उपार्जित और देय ब्याज		
4	बैंक		
	क) सावधि ऋण पर उपार्जित और देय ब्याज		
	ख) अन्य ऋणों पर उपार्जित और देय ब्याज		
5	अन्य संस्थाएँ और एजेंसियाँ		
6	ऋणपत्र और बांड		
7	अन्य (विनिर्दिष्ट करें)		
	कुल	-	-

टिप्पणी: एक वर्ष के भीतर देय राशि:

अनुसूची - 5

(राशि रुपये में)

	अप्रतिभूति ऋण एवं उधार	चालू वर्ष	पिछले वर्ष
1	केंद्र सरकार	-	-
2	राज्य सरकार (विनिर्दिष्ट करें)		
3	वित्तीय संस्थाएँ		
	क) सावधि ऋण		
	ख) अर्जित और देय ब्याज		
4	बैंक		
	क) सावधि ऋण - अर्जित और देय ब्याज		
	ख) अन्य ऋण - अर्जित और देय ब्याज		
5	अन्य संस्थाएँ और एजेंसियाँ		
6	ऋणपत्र और बांड		
7	सावधि जमा		
8	अन्य (विनिर्दिष्ट करें)		
	कुल	-	-

टिप्पणी: एक वर्ष के भीतर देय राशि:

अनुसूची - 6

(राशि रुपये में)

	आस्थगित देयताएं	चालू वर्ष	पिछले वर्ष
क)	पूंजीगत उपकरण और अन्य परिसंपत्तियों के बंधक द्वारा प्रतिभूति स्वीकृतियां	-	-
ख)	अन्य		
	कुल	-	-

सालार जंग संग्रहालय

तुलन पत्र से संबंधित अनुसूचियां

31 मार्च 2024 तक

अनुसूची - 7

(राशि रुपये में)

चालू देयताएं और प्रावधान			चालू वर्ष	पिछले वर्ष
क		चालू देयताएं		
1		स्वीकृतियां	-	-
2		विविध लेनदार		
	क.	माल के लिए	-	
	ख.	अन्य के लिए		0
3		अग्रिम में प्राप्त हुई राशि		
	क.	साइकिल स्टैंड पट्टा किराया	-	
	ख.	अन्य		
4		अर्जित ब्याज परंतु निम्नलिखित पर देय नहीं --		
	क.	प्रतिभूति ऋण और उधार		
	ख.	अप्रतिभूति ऋण और उधार		
5		वैधानिक देयताएं		
	क.	अतिदेय	-	-
	ख.	अन्य - जीएसटी देय	0	0
6		अन्य चालू देयताएं		
	क.	पुनर्वैधीकरण के लिए प्रस्तावित अप्रयुक्त अनुदान		2772647
	ख.	बयाना राशि/प्रतिभूति जमा (अनुबंध देखें)	3440547	2754191
	ग.	विविध (उपकर)	16695	16695
	घ.	सौर ऊर्जा संयंत्र के लिए टीएसआरईडीसीओ को देय राशि	-	
7		बकाया देयताएं – राजस्व खाता		
	i.	छुट्टी वेतन और पेंशन अंशदान	-	-
	ii.	महालेखाकार को देय लेखा परीक्षा शुल्क	200000	200000
	iii.	सीआईएसएफ को भुगतान	-	-
	iv.	पेंशन और सेवानिवृत्ति लाभ	-	-
	v.	वेतन और भत्ते, बोनस, एलटीसी, ओटीए आदि		
	vi.	दूरभाष शुल्क		0
	vii.	कर्मचारियों को जीपीएफ अंशदान पर ब्याज	-	-
	viii	अनुरक्षण व्यय		
	ix.	देय व्यय	902817	346307
	x.	देय आंतरिक लेखा परीक्षा शुल्क	130000	120000
	xi.	देय संकलन शुल्क	30000	25000
		कुल - क	4720059	6234840
ख		प्रावधान	-	-
		कराधान		
		ग्रेच्युटी		
		संचित अवकाश नकदीकरण		
		सेवानिवृत्ति पेंशन		
		कुल - ख	-	-
		कुल - क + ख	**4720059**	**6234840**

सालार जंग संग्रहालय

अनुसूची **- 8**

नियत आस्तियां और प्रगतिशील कार्य

31 मार्च 2024 को

(राशि रुपये में)

क्रम सं	आस्ति का नाम	उपयोग सीमा	सकल ब्लॉक वर्ष की शुरूआत में लागत/मूल्य	वर्ष के दौरान जोड़	वर्ष के दौरान	वर्ष के अंत में लागत/मूल्य	वर्ष की शुरूआत में	वर्ष के लिए	वर्ष के दौरान	वर्ष के अंत	निवल ब्लॉक चालू वर्ष के अंत तक	पिछले वर्ष के अंत
	ञ		द	ध	ढ	छ	7	ड	ढ	ञ०	ञञ	ञढ
(क)	नियत आस्तियां											
1	भूमि		17,95,603			17,95,603					17,95,603	17,95,603
2	भवन	60										
	- संग्रहालय		45,88,54,772		-	45,88,54,772	10,93,37,241	89,87,752		11,83,24,993	34,05,29,779	34,95,17,531
	- दमकल केन्द्र		38,14,651		-	38,14,651	8,78,778	75,506		9,54,284	28,60,367	29,35,873
	- मौजूदा भवन का विकास		71,32,235	15,50,038		86,82,273	6,16,022	1,83,219		7,99,241	78,83,032	65,16,213
	- सभागार		2,50,859			2,50,859	12,457	5,990		18,447	2,32,412	2,38,402
	- बुकिंग कार्यालय की ऊंचाई		20,50,738			20,50,738	95,392	49,313		1,44,705	19,06,033	19,55,346
	- वीआईपी लाउंज		63,982			63,982	3,294	1,527		4,821	59,161	60,688
	- परस्पर संवादात्मक कार्यकलाप केन्द्र		1,47,92,620			1,47,92,620	7,61,541	3,53,262		11,14,803	1,36,77,817	1,40,31,079
3	संयत्र, मशीनरी और उपकरण	15										
	- डीजल जनरेटर और एसी संयत्र		78,47,485			78,47,485	67,53,570	2,04,054		69,57,624	8,89,861	10,93,915
	- संयत्र, उपकरण और औजार		75,18,668			75,18,668	64,08,479	5,22,445		69,30,924	5,87,744	11,10,189
	- फायर हाइड्रेंट / अलार्म		3,96,39,130			3,96,39,130	3,14,11,441	19,18,288		3,33,29,729	63,09,401	82,27,689
4	वाहन	10	18,05,470			18,05,470	17,74,351	5,672		17,80,023	25,447	31,119
5	फर्नीचर और फिक्स्चर	10	1,70,79,763	29,020		1,71,08,783	1,58,55,515	3,71,752		1,62,27,267	8,81,516	12,24,248
6	शो केस और वॉल पैनलिंग	8	27,34,406			27,34,406	24,94,998	53,332		25,48,330	1,86,076	2,39,408
7	दीर्घा का पुनर्गठन	8	13,26,74,945	7,24,172		13,33,99,117	11,16,97,407	42,28,962		11,59,26,369	1,74,72,748	2,09,77,538
	- दूसरी मंजिल का विस्तार पूर्वी ब्लॉक		3,74,841			3,74,841	93,710	46,984		1,40,694	2,34,147	2,81,131
8	फॉल सीलिंग	10	1,37,84,412			1,37,84,412	1,11,99,653	7,46,601		1,19,46,254	18,38,158	25,84,759
9	प्रदर्शन कार्यालय		3,78,220			3,78,220	3,78,220			3,78,220	-	-
10	विद्युत एवं अन्य उपकरण	10										-
	- विद्युत एवं कार्यालय उपकरण		3,44,90,715	2,95,412		3,47,86,127	3,14,93,100	11,86,072		3,26,79,172	21,06,955	29,97,615
	- फोटोग्राफी उपकरण		25,65,667	46,200		26,11,867	20,75,851	96,263		21,72,114	4,39,753	4,89,816
	- डिजिटल एवं प्रलेखन (आरएफआईडी)		32,13,865			32,13,865	11,91,694	3,44,438		15,36,132	16,77,733	20,22,171
	- रासायनिक प्रयोगशाला उपकरण		67,93,727			67,93,727	53,29,236	7,97,448		61,26,684	6,67,043	14,64,491
	- सुरक्षा उपकरण		2,58,71,019	1,32,435		2,60,03,454	2,40,39,686	5,82,459		2,46,22,145	13,81,309	18,31,333
	- जन शिक्षा		27,98,135			27,98,135	27,98,135			27,98,135	(0)	(0)
	- सार्वजनिक समाधान प्रणाली		92,14,041			92,14,041	87,36,633	2,91,708		90,28,341	1,85,700	4,77,408
	- टाइपराइटर		1,39,873			1,39,873	1,39,873	-		1,39,873	(0)	(0)
	- कैलकुलेटर		20,526			20,526	20,526	-		20,526	(0)	(0)
	-ऊर्जा बचत पंखे		1,97,950			1,97,950	49,406	19,849		69,255	1,28,695	1,48,544
11	कंप्यूटर और बाह्य उपकरण	3	52,89,368	4,74,173		57,63,541	49,46,763	2,55,668		52,02,431	5,61,110	3,42,605
	कुल अग्रेणित		**80,31,87,686**	**32,51,450**	**-**	**80,64,39,136**	**38,05,92,971**	**2,13,28,564**	**-**	**40,19,21,535**	**40,45,17,601**	**42,25,94,715**

(राशि रुपये में)

	1		2	3	4	5	7	8	9	10	11	12
	कुल अवेक्षित शेष		**80,31,87,686**	**32,51,450**	**-**	**80,64,39,136**	**38,05,92,971**	**2,13,28,564**	**-**	**40,19,21,535**	**40,45,17,601**	**42,25,94,715**
12	विद्युत स्थापन	10			-							
	- दीर्घा की वातानुकूलन व्यवस्था		2,97,70,825	1,17,077	-	2,98,87,902	2,21,01,720	17,04,937		2,38,06,657	60,81,245	76,69,105
	- सौर ऊर्जा संयत्र		3,30,94,953		-	3,30,94,953	2,08,80,753	39,67,924		2,48,48,677	82,46,276	1,22,14,200
	- सौर ऊर्जा संयत्र (सब्सिडि वाले)		1,20,17,630		-	1,20,17,630	70,97,424	17,32,078		88,29,502	31,88,128	49,20,206
	- सीसीटीवी उपकरण		7,68,65,930		-	7,68,65,930	7,20,09,559	31,49,079		7,51,58,638	17,07,292	48,56,371
13	पुस्तकालय की पुस्तकें		1,09,02,451	95,150	-	1,09,97,601	-	-		-	1,09,97,601	1,09,02,451
14	कला-कृतियां की लागत		32,51,008		-	32,51,008	-	-		-	32,51,008	32,51,008
15	पांडुलिपियां और माइक्रोफिल्म		23,42,154		-	23,42,154	-	-		-	23,42,154	23,42,154
16	अन्य नियत आस्तियां	30	-			-		-				-
	- साइकिल स्टैंड		40,506		-	40,506	31,098	1,350		32,448	8,058	9,408
	- सूचकांक		35,69,279		-	35,69,279	35,69,279			35,69,279	-	-
	- एल्युमिनियम की दीवार		4,54,707		-	4,54,707	4,54,707			4,54,707	-	-
	- पानी का फव्वारा		3,02,220		-	3,02,220	2,25,419	9,639		2,35,058	67,162	76,801
	- छप्पर (सुरक्षा जांच बिन्दु)		3,41,040		-	3,41,040	51,185	11,398		62,583	2,78,457	2,89,855
17	दुकानो का आधुनिकीकरण		87,77,224		-	87,77,224	87,77,224			87,77,224	-	-
	कुल- (क)		**98,49,17,613**	**34,63,677**	**-**	**98,83,81,290**	**51,57,91,340**	**3,19,04,969**	**-**	**54,76,96,309**	**44,06,84,981**	**46,91,26,273**
	पिछले वर्ष के आंकड़े		98,40,25,878	10,47,171	(1,55,436)	98,49,17,613	47,89,52,898	3,68,38,442	-	51,57,91,340	46,91,26,273	50,50,72,980
(ख)	पूंजीगत प्रगतिशील कार्य											
	क) भवन निर्माण											-
	- नई परियोजना भवन		-			-					-	-
	- इंटरएक्टिव कार्यकलाप केन्द्र		18,84,674	11,33,819		30,18,493					30,18,493	18,84,674
	ख) दीर्घाओं का पुनर्गठन		1,92,03,350	16,24,895		2,08,28,245					2,08,28,245	1,92,03,350
	ग) उपकरणों का संरक्षण											
	घ) दीर्घाओं की वातानुकूलन व्यवस्था -		19,51,874	4,26,346	(2,15,806)	21,62,414					21,62,414	19,51,874
	ङ) प्रदर्शनी हॉल ड्ब्लू ब्लॉक (क) का विकास		7,80,800	42,58,072		50,38,872					50,38,872	7,80,800
	च) प्रसाधन से संबंधित मौजूदा भवन निर्माण (क)		12,58,809		(12,58,809)	-					-	12,58,809
	छ) परियोजना- इंटरएक्टिव कार्यकलाप केन्द्र			3,52,000		3,52,000					3,52,000	
	ज) सुरक्षा उपकरणों का यूजी		-			-						-
	झ) डिजीटलीकरण और दस्तावेजीकरण		-			-						-
	ञ) सार्वजनिक सुविधाएं		-			-						-
	ट) पुस्तकालय, पांडुलिपियों की संरक्षण		-			-						
	कुल जोड़		**2,50,79,507**	**77,95,132**	**(14,74,615)**	**3,14,00,024**	**-**	**-**	**-**	**-**	**3,14,00,024**	**2,50,79,507**
	ठ) फॉल्स सीलिंग - दीर्घा		-			-					-	
	ड) दीर्घा की वातानुकूलन व्यवस्था		-			-					-	
	ढ) सौर संयत्र के लिए सब्सिडी (60केएलपी)					-					-	-
	कुल - (ख)		**2,50,79,507**	**77,95,132**	**(14,74,615)**	**3,14,00,024**	**-**	**-**	**-**	**-**	**3,14,00,024**	**2,50,79,507**
	कुल (क + ख)		**1,00,99,97,120**	**1,12,58,809**	**(14,74,615)**	**1,01,97,81,314**	**51,57,91,340**	**3,19,04,969**	**-**	**54,76,96,309**	**47,20,85,005**	**49,42,05,780**

टिप्पणी

1)	वर्ष के दौरान मंत्रालय द्वारा जारी सीसीए से किए गए पूंजीगत व्यय को प्रारंभ में (ख) ड्ब्लूआईपी में 'जोड़' के रूप में दर्शाया गया है और पूरी की गई वस्तुओं को संबंधित आस्तियों की श्रेणी में घटाया और जोड़ा गया है।
2)	दीर्घा के पुनर्गठन के अंतर्गत प्रगतिशील पूंजीगत कार्य में इस्लामिक कला दीर्घा से संबंधित 99,56,926/- रुपये, और स्थापना दीर्घा से संबंधित 1,08,71,319/- रुपये शामिल हैं।

सालार जंग संग्रहालय

तुलन पत्र से संबंधित अनुसूचियां

31 मार्च 2024 तक

अनुसूची - **9**

(राशि रुपये में)

निर्धारित/बंदोबस्ती निधि से निवेश							चालू वर्ष	पिछले वर्ष
1	सरकारी प्रतिभूतियों में							
2	अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां							
3	शेयर							
4	डिबेंचर और बॉंड							
5	सब्सिडी और संयुक्त उद्यम							
6	अन्य – राष्ट्रीयकृत बैंकों में सावधि जमा (अंकित मूल्य)							
	बंदोबस्ती निधि का विवरण	एफडी का नवीनीकृत मूल्य	अंतिम नवीनीकरण की	नवीनीकरण की अवधि	ब्याज दर %	31-3-2024 तक अर्जित ब्याज	वर्ष के अंत तक	वर्ष के अंत तक
1	एसजेएम स्वर्ण निधि	124237	5.3.2022	5	5.5	6931	131168	124237
2	एनआरआई भूतपूर्व सैनिक कल्याण कोष	112286	1.9.2020	5	5.5	6044	118330	112286
3	स्वर्गीय सुब्बा रामी रेड्डी और राजाम्मा छात्रवृत्ति	69382	5.3.2022	5	5.5	3871	73253	69382
		305905				16846	**322751**	**305905**

अनुसूची - **10**

(राशि रुपये में)

निवेश- अन्य			चालू वर्ष	पिछले वर्ष
1	सरकारी प्रतिभूतियों में			
2	अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां			
3	शेयर			
4	डिबेंचर और बॉंड			
5	सब्सिडी और संयुक्त उद्यम			
6	अन्य (विनिर्दिष्ट किया जाना है)			
	कुल		-	-

अनुसूची – **10क**

(राशि रुपये में)

समाप्त की गई आस्तियां		चालू वर्ष	पिछले वर्ष
समाप्त की गई आस्तियां			
		-	-

सालार जंग संग्रहालय

तुलन पत्र से संबंधित अनुसूचियां

31 मार्च 2024 तक

अनुसूची - **11**

(राशि रुपये में)

चालू आस्तियां, ऋण, अग्रिम आदि			चालू वर्ष	पिछले वर्ष
क		चालू आस्तियां		
1		सूची		
	क)	भंडार और कलपूर्जे		
	ख)	ढीले उपकरण		
	ग)	व्यापार में स्टॉक		
		i) तैयार वस्तु		
		ii) प्रगतिशील कार्य		
		iii) कच्चा माल		
		प्रकाशनों और कैसेट्स का अंतिम स्टॉक *(अनुसूची 19 देखें)*	2061134	1529028
2		विविध देनदार		
	क)	छह महीने से अधिक अवधि के लिए बकाया ऋण	-	-
	ख)	अन्य	-	-
3		रोकड़ जमा शेष	454393	5000
		(चेक /ड्राफ्ट/अग्रिम सहित)		
4		बैंक में जमा राशि शेष		
	क)	अनुसूचित बैंकों में		
		i) चालू खातों में	6377303	6835444
		ii) जमा खातों (सावदि जमा) में		
		iii) बचत खातों में	17564171	6865120
		iv) अन्य विनिर्दिष्ट खातों में	13815839	
	ख)	गैर-अनुसूचित बैंकों में	-	-
		i) चालू खातों में		
		ii) जमा खातों में		
		iii) बचत खातों में		
5		डाकघर बचत खाता		
		कुल - क	40272840	15234592
ख		ऋण, अग्रिम और अन्य आस्तियां		
1		ऋण		
	क)	स्टॉफ अग्रिम *(अनुबंध देखें)*	492362	736248
	ख)	लंबित एलटीसी/ टीए अग्रिम का निपटान	-	-
	ग)	इकाई के अनुरूप कार्यकलापों / उद्देश्य में संलग्न संस्थाएं	-	-
	घ)	अन्य (विनिर्दिष्ट करें)	-	-
2		रोकड़ या वस्तु के रूप में वसूली योग्य अग्रिम राशि और अन्य राशि	-	-
	क)	पूंजी खातें के लिए	-	-
	ख)	प्रीपेड व्यय	115726	85044
	ग)	अन्य जमा और अग्रिम (अनुबंध देखें)	4213858	4213858
	घ)	सौर संयत्र (60 केड्ब्लूपी) के लिए टीएसआरईडीसीओ से देय सब्सिडी राशि	8014	8014
	ङ)	साइकिल स्टैंड संविदाकार से देय पट्टा किराया		
	च)	एचएचईसी – किराया और और विद्युत शुल्क		
	छ)	टीएसटीडीसी-केफैटेरिया किराया, छूट, विद्युत और पानी का शुल्क	247014	256580
	ज)	टीएसटीडीसी सूचना केन्द्र- किराया और विद्युत शुल्क		
	झ)	एसबीआई एटीएम केन्द्र - किराया और विद्युत शुल्क	63174	52257
	ञ)	हैदराबाद केफै किराया, विद्युत शुल्क	0	0
	ट)	हैदराबाद लोकर किराया, विद्युत शुल्क	61412	14498
	ठ)	एसजे बैग- दुकान का किराया, विद्युत शुल्क	33522	10172
	ड)	एसजे मोती और चूडियों के दुकान का किराया, विद्युत शुल्क	61669	13975
	ढ)	एसजे चाय की दुकान का किराया, विद्युत शुल्क	29787	62141
	ण)	स्मारक सिक्का बिक्री केन्द्र	0	0
	त)	अन्य बकाया – वसूलीयोग्य किराए पर जीएसटी		
	थ)	- एलएसएंड पीसी (श्रीमती केदारेश्वरी)	298456	298456
	द)	- गायत्री होटल्स प्राइवेट लिमिटेड	0	0
	ध)	छप्पन भोग रेस्टोरेंट का किराया और विद्युत शुल्क	24233	0
	न)	बिदरी धातु शिल्प का किराया और विद्युत शुल्क	54460	0
	प)	सीसीआईसी संग्रहालय दुकान का किराया और विद्युत शुल्क	68472	0
	फ)	वसूलीयोग्य जीएसटी	4601834	5516976
3		अर्जित आर परंतु देय नहीं		
	क)	निर्धारित / बंदोबस्ती निधि से निवेश		-
	ख)	अन्य (जीपीएफ) पर निवेश		-
	ग)	ऋण और अग्रिम पर		-
	घ)	अन्य (विद्युत शुल्क जमा से ब्याज)	165426	140788
4		बिल / प्राप्य दावें – प्रकाशन की लागत	-	-
		कुल - ख	10539419	11409007
		कुल चालू आस्तियां (क + ख)	**50812259**	**26643599**

सालार जंग संग्रहालय

आय और व्यय खातें से संबंधित अनुसूचियां

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष हेतु

अनुसूची - **12**

(राशि रुपये में)

बिक्री और सेवाओं से आय			चालू वर्ष		पिछले वर्ष	
1		बिक्री से आय				
	क.	तैयार माल की बिक्री				-
	ख.	कच्चे माल की बिक्री				-
		समाप्त की गई वस्तु की बिक्री				0
2		सेवाओं से आय				-
	क.	श्रम एवं प्रसंस्करण शुल्क				
	ख.	पेशेवर/परामर्श सेवाएँ				
	ग.	एजेंसी कमीशन और ब्रोकरेज				
	घ.	अनुरक्षण सेवाएँ (उपकरण/संपत्ति)				
	ङ.	अन्य (वि निर्दिष्ट करें)				
3		प्रवेश टिकटों की बिक्री		62,525,970		58,795,110
		कुल		**62,525,970**		**58,795,110**

अनुसूची - **13**

(राशि रुपये में)

निम्नलिखित से प्राप्त अनुदान / सब्सिडी			चालू वर्ष		पिछले वर्ष	
	1	वर्ष के दौरान केन्द्र सरकार से प्राप्त अनुदान / सब्सिडी				
क	i)	शीर्ष 31 - General (CISF & Museum	110000000		102500000	
	ii)	शीर्ष 35 - Capital Contribution for Assets	10000000		10000000	
	iii)	शीर्ष 36 - Salaries	132000000		127000000	
	iv)	शीर्ष 96.31 - Swachh Bharat	200000		200000	
	v)	सहायता अनुदान आभासी अनुभवात्मक	3300000		0	
		कुल - क		255500000		239700000
ख	घटाएं:	अप्रयुक्त अनुदान				
	i)	सामान्य			(2,772,647)	-
	ii)	आस्तियों के लिए पूंजी योगदान		..		-
	iii)	वेतन		..		-
	iv)	स्वच्छ भारत		..		-
	v)	वर्चुअल अनुभवात्मक	-1846664			
		कुल - ख		(1,846,664)		(2,772,647)
ग		वर्ष के दौरान प्रयुक्त निवल अनुदान (क - ख)		253653336		236,927,353
	2	राज्य सरकार		-		-
	3	सरकारी एजेंसियाँ		-		-
	4	संस्थाएँ / कल्याणकारी निकाय		-		-
	5	अंतर्राष्ट्रीय संगठन		-		-
	6	अन्य (विनिर्दिष्ट करें)		-		-
		कुल		**253653336**		**236,927,353**

अनुसूची - **14**

(राशि रुपये में)

	शुल्क / सदस्यता	चालू वर्ष	पिछले वर्ष
1	प्रवेश शुल्क	-	-
2	वार्षिक शुल्क / सदस्यता शुल्क	-	-
3	सेमिनार / कार्यक्रम शुल्क	-	-
4	परामर्श शुल्क	-	-
5	अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
	कुल	-	-

सालार जंग संग्रहालय

आय और व्यय खातें से संबंधित अनुसूचियां

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष हेतु

अनुसूची - 15

(राशि रुपये में)

निवेश से आय (निर्धारित/ बंदोबस्ती निधि से निधि में अंतरित निवेश पर आय)		निर्धारित निधि से निवेश		निवेश - अन्य	
		चालू वर्ष	पिछले वर्ष	चालू वर्ष	पिछले वर्ष
1	ब्याज				
	क. सरकारी प्रतिभूतियों से		-		
	ख. अन्य बांड/डिबेंचर		-		
	ग. सावधि जमा	16846	26915	-	-
2	लाभांश				
	क. शेयर से				
	ख. म्यूचुअल फंड प्रतिभूतियों से				
3	किराया				
4	अन्य				
	कुल	16846	26915	-	-
निर्धारित / बंदोबस्ती निधि में अंतरित (अनुसूची 3 और 9 देखें)		16846	26915	-	-

अनुसूची - 16

(राशि रुपये में)

रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय					चालू वर्ष	पिछले वर्ष
क	रॉयल्टी से आय					
ख	प्रकाशनों की बिक्री					
ग	अन्य (विनिर्दिष्ट करें)					
		कुल			**0**	**0**

अनुसूची - 17

(राशि रुपये में)

	अर्जित ब्याज			चालू वर्ष	पिछले वर्ष
1	सावधि जमा से				
	क. अनुसूचित बैंकों से			-	
	ख. गैर-अनुसूचित बैंकों से			-	-
	ग. संस्थाओं से			-	-
	घ. अन्य			-	-
2	बचत खातों से				
	क. अनुसूचित बैंकों से			548708	512619
	ख. गैर-अनुसूचित बैंकों से			-	-
	ग. डाकघर बचत खातों से			-	-
	ग. अन्य			-	-
3	ऋण से				
	क. कर्मचारी / स्टाफ़			422233	403165
	ख. अन्य				-
4	विद्युत शुल्क जमा और अन्य प्राप्त/वसूली योग्य ब्याज			165426	140788
	कुल			**1136367**	**1056572**

सालार जंग संग्रहालय

आय और व्यय खातें से संबंधित अनुसूचियां

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष हेतु

अनुसूची - **18**

(राशि रुपये में)

अन्य आय			चालू वर्ष	पिछले वर्ष
1	आस्तियों की बिक्री/निपटान पर लाभ			
	क)	स्वामित्व वाली आस्तियाँ	-	-
	ख)	अनुदान से प्राप्त आस्तियाँ या निःशुल्क प्राप्त आस्तियाँ	-	-
2	प्राप्त निर्यात प्रोत्साहन		-	-
3	विविध सेवाओं के लिए शुल्क		102,753	397,066
4	विविध आय			
	क)	साइकिल स्टैंड संबंधित पट्टा किराया	1650000	508464
	ख)	टीएसटीडीसी रेस्टोरेंट से प्राप्त कमीशन आदि	324941	317829
	ग)	एटीएम केन्द्र के लिए एलसबीआई से प्राप्त किराया	180000	180000
	घ)	टीएसटीडीसी रेस्टोरेंट से प्राप्त किराया	398202	381066
	ङ)	बैग की दुकान से प्राप्त किराया	77050	60920
	च)	स्मारक सिक्के की बिक्री से प्राप्त किराया	24000	24000
	छ)	हैदराबाद लैकर चूड़ियों से प्राप्त किराया	108675	94500
	ज)	एसजे मोती से प्राप्त किराया	108675	94500
	झ)	एसजे चाय की दुकान से प्राप्त किराया	196086	144000
	ञ)	दुकानों और सभागारों से प्राप्त किराया	135000	250000
	ट)	बिदरी धातु शिल्प से प्राप्त किराया	36000	
	ठ)	छप्पन भोग से प्राप्त किराया	110000	
	ड)	सीसीआईसी संग्रहालय की दुकान से प्राप्त किराया	660000	
	ढ)	अमानती कक्ष से प्राप्त किराया	360036	
	ण)	अर्जित किराया (अनुबंध देखें)	325802	170416
	त)	वजन मशीन से प्राप्तियां		73908
	थ)	समाप्त की गई वस्तुओं की बिक्री	200000	351125
	द)	अर्जित कमीशन	44298	44174
	ध)	बयाना राशि जब्त करना	100000	
	न)	निविदा पुस्तिका शुल्क	20000	
		कुल	**5,161,518**	**3,091,968**

अनुसूची – **18क**

(राशि रुपये में)

नियत आस्तियों की बिक्री से आय			चालू वर्ष	पिछले वर्ष
	नियत आस्तियों की बिक्री से आय			
			-	-

अनुसूची - **19**

(राशि रुपये में)

तैयार माल और प्रगतिशील कार्य के स्टॉक में वृद्धि/कमी			चालू वर्ष	पिछले वर्ष
क)		अंतिम स्टॉक (प्रकाशन आदि)	2061134	1529028
		तैयार माल		
		प्रगतिशील कार्य		
ख)	घटाएं	प्रारंभिक स्टॉक	1529028	1244521
		तैयार माल		
		प्रगतिशील कार्य		
		निवल वृद्धि (+) / कमी (-)	**532106**	**284507**

सालार जंग संग्रहालय

आय और व्यय खातें से संबंधित अनुसूचियां

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष हेतु

अनुसूची - **20**

(राशि रुपये में)

स्थापना व्यय		चालू वर्ष		पिछले वर्ष
क)	i) वेतन और मजदूरी	76649266		74663115
	ii) महंगाई भत्ता	860144		
	कुल (i + ii)		77509410	74663115
ख)	एनपीएस में नियोक्ता का योगदान		1660199	2450093
ग)	बोनस			-
घ)	भविष्य निधि में अंशदान			-
ङ)	कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति और टर्मिनल लाभ		7170487	18954353
च)	पेंशन / पारिवारिक पेंशन भुगतान		48970554	45768542
छ)	ट्यूशन शुल्क की प्रतिपूर्ति		933515	900040
ज)	समयोपरि भत्ता			0
झ)	यात्रा भत्ता			-
ञ)	चिकित्सा प्रतिपूर्ति		8451117	7482274
ट)	छुट्टी यात्रा रियायत		31841	100440
ठ)	छुट्टी का नकदीकरण		173418	267069
ड)	मानदेय			
ढ)	जीपीएफ स प्राप्त ब्याज		1,776,303	1,925,246
ण)	एलएस और पेंशन अंशदान (जेडएओ, सीबीडीटी)			0
त)	पेंशनभोगियों को चिकित्सा बीमा		185000	230000
	कुल		**146861844**	**152741172**

सालार जंग संग्रहालय

आय और व्यय खातें से संबंधित अनुसूचियां

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष हेतु

अनुसूची - **21**

(राशि रुपये में)

			अन्य प्रशासनिक व्यय	चालू वर्ष	पिछले वर्ष
क			खरीद (प्रकाशनों की छपाई)		
ख			आउटसोर्सिंग और आकस्मिक कर्मचारी वेतन	6,749,217	6,291,095
ग			विद्युत और ऊर्जा	8,158,843	7,168,820
घ			पानी का शुल्क	1,635,337	218,433
ङ			वर्दी	-	345,045
च			मरम्मत और अनुरक्षण		
	i		इमारतें और उद्यान	8,269,949	12,111,765
	ii		इलेक्ट्रिकल, जेनरेटर, एसी प्लांट और लिफ्ट	5,277,640	6,115,264
	iii		जल कार्य और सार्वजनिक सुविधाएं	2,110,585	1,968,176
	iv		डिजिटलीकरण और फोटो अनुभाग	1,957,934	1,698,850
	v		सांस्कृतिक और जन शिक्षा	1,934,494	2,818,582
	vi		रासायनिक संरक्षण और परिरक्षण	1,297,776	1,240,922
	vii		पुस्तकालय	1,740,975	1,776,504
	viii		पांडुलिपि अनुभाग	905,468	849,987
	ix		कार्यालय उपकरण	5,141,445	5,222,185
	x		सुरक्षा प्रणालियाँ और उपकरण	8,283,068	10,629,162
छ			उत्पाद शुल्क		
ज			किराया, दरें और कर	2,066,335	1,936,153
झ			वाहन चालन और अनुरक्षण	512,350	465,750
ञ			डाक, टेलीफोन और संचार शुल्क	173,379	201,545
ट			स्टेशनरी (टिकट) का मुद्रण	1,679,140	2,133,424
ठ			यात्रा और परिवहन व्यय	1,130,066	196,723
ड			संगोष्ठी/कार्यशालाओं पर व्यय	-	1,039,049
ढ			प्रकाशन	579,700	290,000
ण			मानदेय	107,000	52,000
त			लेखा परीक्षक का पारिश्रमिक	150,000	504,000
थ			आतिथ्य व्यय	152,027	158,851
द			व्यावसायिक शुल्क		
ध			खराब और संदिग्ध ऋणों/अग्रिमों के लिए प्रावधान		
न			अपरिहार्य शेष राशि को बट्टे खाते में डाला गया		
प			विज्ञापन और प्रचार	110,345	98,531
फ			आभासी अनुभवात्मक संग्रहालय (सामान्य अनुदान)	54,445	
ब			आभासी अनुभवात्मक संग्रहालय (आभासी व्यय अनुदान)	1,453,336	
भ			अन्य (पूर्णांकित)		
	1		संकलन शुल्क	30,000	25,000
	2		किराये की आय माफ		30,510
	3		बैंक शुल्क	5,133	2,554
	4		स्वच्छता / स्वच्छ भारत	200,000	200,000
	5		ऑडियो गाइड	1,005,142	1,659,268
	6		ब्याज व्यय		59,034
	7		एएमसी संविदा	577,402	345,095
	8		पूर्णांकित	(3)	
			कुल	**63448528**	**67,852,277**

सालार जंग संग्रहालय

आय और व्यय खातें से संबंधित अनुसूचियां

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष हेतु

अनुसूची – 21क

(राशि रुपये में)

	सीआईएसएफ पर व्यय	चालू वर्ष	पिछले वर्ष
1	वेतन और भत्ते	91,107,389	67,915,195
2	चिकित्सा व्यय	1,268,688	1,609,675
3	अन्य व्यय (सीआईएसएफ के उपकरणों का अनुरक्षण)	1,443,699	1,443,011
	कुल	**93,819,776**	**70,967,881**

अनुसूची – 21ख

(राशि रुपये में)

	पूर्व अवधि समायोजन	चालू वर्ष		पिछले वर्ष	
		प्राप्ति	व्यय	प्राप्ति	व्यय
1	बकाया राशि का विवरण				-1153275
2	पिछले वर्षों से संबंधित एटीएम से प्राप्त किराया				
3	जीपीएफ खाते पर अर्जित और देय ब्याज का विवरण				
	कुल			0	
	निवल समायोजन (प्राप्ति से अधिक व्यय)	-			-1153275
	कुल (निवल व्यय)	-	-		(1,153,275)

अनुसूची - 22

(राशि रुपये में)

	अनुदान, सब्सिडी आदि पर व्यय	चालू वर्ष	पिछले वर्ष
क	संस्थाओं/संगठनों को दिए जाने वाले अनुदान	-	-
ख	संस्थाओं/संगठनों को दी जाने वाली सब्सिडी		
	कुल	-	-

टिप्पणी: संस्थाओं का नाम, उनके कार्यकलापों के साथ-साथ अनुदान/सब्सिडी की राशि का प्रकटीकरण किया जाना है।

अनुसूची - 23

(राशि रुपये में)

	प्रदत्त ब्याज	चालू वर्ष	पिछले वर्ष
1	सावधि जमा से	-	-
2	अन्य ऋणों से (बैंक शुल्क सहित)	-	-
3	अन्य	-	-
	कुल	-	-

अनुसूची से संबंधित अनुबंध

2023-24

(राशि रुपये में)

अनुसूची 11 (ख) से संबंधित अनुबंध - ऋण, अग्रिम और & अन्य आस्तियां						
	विवरण				तक की स्थिति के अनुसार	
					31-3-2024	31.3.2023
I	बाहरी व्यक्तियों से अन्य जमा और अग्रिम					
(□)	1	बाल्डिया पेट्रोल सप्लाई, हैदराबाद			5000	5000
	2	कार केयर सेंटर, हैदराबाद			3000	3000
	3	जुबली पोस्ट ऑफिस, हैदराबाद			1265	1265
	4	श्रव्य, दृश्य प्रचार के निदेशक, नई दिल्ली			46646	46646
	5	टीएस विद्युत विभाग में जमा प्रतिभूति			2912847	2912847
		हेतु (क) एल.टी. कनेक्शन, (ख) स्टाफ क्वार्टर				
		(ग) एच.टी. कनेक्शन और (घ) अतिरिक्त प्रतिभूति जमा				
	6	सेल फोन जमा			9000	9000
	7	बिजली मीटर जमा			100	100
(□)	केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में जमा				1236000	1236000
		कुल (क + ख)			**4213858**	**4213858**

II	स्टाफ अग्रिम से संबंधित अनुबंध (अनुसूची 11 बी)						
	विवरण			प्रारंभिक शेष	भुगतान	वसूली	इति शेष
	1	गृह निर्माण अग्रिम		732248		243386	488862
	2	मोटर साइकिल अग्रिम		0			0
	3	कंप्यूटर अग्रिम		4000		500	3500
	4	त्योहार अग्रिम		0			0
		कुल - अनुसूची (II ख)		**736248**	-	**243886**	**492362**

अनुसूची 7 से संबंधित अनुबंध – चालू देयताएं					
		प्रारंभिक शेष	प्राप्तियां	धन वापसी/ समायोजन	इति शेष
बयाना राशि/प्रतिभूति जमा		2754191	1054354	367998	**3440547**

Annex to Sch 18 - OTHER INCOMES			तक की स्थिति			तक की स्थिति
अर्जित आय	किराया	प्राप्य कमीशन	31-3-2024	किराया	प्राप्य कमीशन	31-3-2023
टीएसटीडीसी का किराया	80406	44298	1,24,704	85,086	44174	1,29,260
एचएचईसी संग्रहालय दुकान का किराया			-			-
एसजे चाय की दुकान	17826		17,826	53475		53,475
एसजे मोती और चूड़ियां	60375		60,375	12075		12,075
हैदराबाद लैकर चूड़ियां	60375		60,375	12075		12,075
एसबीआई एटीएम			-	0		-
हैदराबाद कैफे			-			-
एसजे बैग की दुकान	30820		30,820	7705		7,705
साइकिल स्टैंड			-			
छप्पन भोग रेस्टोरेंट	22000		22,000			
बिदरी धातु शिल्प	54000		54,000			
			-			-
	3,25,802	**44,298**	**3,70,100**	**1,70,416**	**44,174**	**2,14,590**

सालार जंग संग्रहालय

दिनांक 31-03-2024 को समाप्त वर्ष के अंत में जीपीएफ तुलन पत्र

(राशि रुपये में)

पिछले वर्ष	देयताएं	चालू वर्ष	पिछले वर्ष	आस्तियां	चालू वर्ष
27645636	वर्ष के अंत में सदस्यता	28207036	24000000	टीडार में निवेश	28000000
1758048	अर्जित ब्याज	6001586	5403684	जीपीएफ रोकड़ बही के अनुसार इति शेष	6208622
29403684	कुल	**34208622**	**29403684**	कुल	**34208622**

वर्ष 2023-24 के लिए प्राप्तियां और भुगतान लेख

पिछले वर्ष	प्राप्तियां	चालू वर्ष	पिछले वर्ष	भुगतान	चालू वर्ष
5004358	प्रारंभिक शेष	5403684	17413368	निकासी	10559963
9996489	सदस्यता और धन वापसी	9345060			
5300000	एफ.डी.आर. की निकासी	24000000	0	एफडीआर में निवेश	28000000
591608	आहरित एफ.डी.आर. पर ब्याज	4244187	649	बैंक शुल्क	649
1925246	एस.जे.एम. मुख्य खाते से ब्याज की प्राप्ति	1776303	5403684	इति शेष	6208622
22817701	कुल	**44769234**	**22817701**	कुल	**44769234**

दिनांक 31-03-2024 तक जी.पी.एफ. खाता

(ब्रॉडशीट के अनुसार)

पिछले वर्ष	प्राप्तियां	चालू वर्ष	पिछले वर्ष	भुगतान	चालू वर्ष
32003757	प्रारंभिक शेष	26601833	17413368	निकासी	10559963
10086198	कुल सदस्यता और धनवापसी	9546852	26601833	ब्रॉडशीट के अनुसार इति शेष	27365025
1925246	जमा किया गया ब्याज	1776303			
44015201	कुल	**37924988**	**44015201**	कुल	**37924988**

सालार जंग संग्रहालय

दिनांक 31-03-2024 को समाप्त वर्ष के लिए जीपीएफ में निवेश

क्रम सं	एफडीआर सं	तिथि	अवधि	ब्याज	राशि रुपये में
1	41842985450	18.04.2023	400 Days	7.10%	10,000,000.00
2	41843083289	18.04.2023	400 Days	7.10%	10,000,000.00
3	41843084261	18.04.2023	400 Days	7.10%	8,000,000.00
	कुल				**28,000,000.00**

वर्ष 2023-24 के लिए जमा और निकासी सं संबंधित अनुसूची (राशि रुपये में)

माह और वर्ष	आरएंडपी खाते के अनुसार	ब्रॉडशीट के अनुसार जमा	निकासी
मार्च,23 की सदस्यता अप्रैल,23 में प्रदर्शित की गई		1043803	
अप्रैल,2023	746803		1030000
मई,2023	735303	746803	1063992
जून,2023	735303	735303	3153129
जुलाई,2023	750803	735303	714000
अगस्त,2023	765803	750803	998000
सितम्बर,202	775803	765803	649842
अक्तूबर,2023	753303	775803	320000
नवंबर,2023	758303	753303	451000
दिसम्बर,2023	792803	758303	121000
जनवरी,2024	826911	792803	1020000
फरवरी, 2024	861911	826911	605000
मार्च, 2024	842011	861911	434000
कुल	**9345060**	**9546852**	**10559963**

सालार जंग संग्रहालय
दिनांक 31 मार्च, 2024 को
समाप्त वर्ष के लिए लेखा
संबंधी अनुसूची

अनुसूची – 24

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां :

सालार जंग संग्रहालय, सालार जंग संग्रहालय अधिनियम 1961 की धारा 21 के अनुसार तथा वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग द्वारा निर्धारित प्रपत्र में खातों का लेखा-जोखा रखता है। लेखा-जोखा उपार्जन के आधार पर तथा भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के परामर्श से केन्द्र सरकार द्वारा समय-समय पर जारी निदेशों के अनुसार तैयार किया जाता है। वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत परंपरा के आधार पर तैयार किए जाते हैं।

भारत सरकार से प्राप्त अनुदान की मान्यता:

अनुदानों को उनकी संस्वीकृति/उपयोगिता के आधार पर 'राजस्व' या 'पूंजी' के रूप में मान्यता दी जाती है। जीएफआर में उल्लिखित प्रावधानों के अनुसार, वर्ष की प्राप्तियों एवं भुगतान खातों में पूंजीगत तथा राजस्व खातों से संबंधित व्यय को अलग-अलग रूप में दर्शाया गया है। अनुदानों का लेखा-जोखा वास्तविक प्राप्ति के आधार पर किया गया है।

नियत आस्तियां:

नियत आस्तियों का मूल्यांकन अधिग्रहण की लागत पर किया जाता है, जिसमें अधिग्रहण से संबंधित सभी आकस्मिक तथा अन्य प्रत्यक्ष व्यय शामिल हैं।

मूल्यह्रास:

वर्ष 1981-82 से 1999-2000 तक अनुदान निधि से अर्जित आस्तियों के लिए मूल्यह्रास का प्रावधान नहीं किया गया था, इस तथ्य पर यह विचार किया गया है कि संग्रहालय गैर-वाणिज्यिक निकाय है जो केंद्र सरकार से अनुदान प्राप्त करता है और इसके आस्तियों का प्रतिस्थापन भारत सरकार से प्राप्त नए अनुदान से किया जा सकता है। तथापि, मंत्रालय (भारत सरकार) की सलाह पर, लेखा वर्ष

2000-01 से आस्तियों के लिए कंपनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची XIV के अंतर्गत निर्धारित दरों पर सीधी सीमा पद्धति पर मूल्यह्रास का प्रावधान किया गया है। वित्त वर्ष 2020-21 में, संग्रहालय को मूल्यह्रास वसूलने के लिए कंपनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची XIV से कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची II में स्थानांतरित कर दिया गया।

पुस्तकालय की पुस्तकों, पांडुलिपियों, माइक्रोफिल्मों आदि तथा सालार जंग सम्पदा से ली गई कला कृतियों और संग्रहालय द्वारा खरीदी गई कला-कृतियों को छोड़कर सभी आस्तियों पर मूल्यह्रास प्रदान किया जा रहा है।

कला-कृतियों का मूल्य: आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के माध्यम से सालार जंग सम्पदा से ली गई कला कृतियों, फर्नीचर और फिक्सर, पुस्तकों, पांडुलिपियों आदि का मूल्य तुलन पत्र में नहीं दर्शाया गया हैं क्योंकि उनके मूल्य ज्ञात नहीं हैं। तथापि, तत्पश्चात प्राप्त कल-कृतियों के लागत दर्शाया गया है।

संग्रहालय के कर्मचारियों की छुट्टी नकदीकरण और ग्रेच्युटी के लिए देयता हेतु लेखा पुस्तकों में कोई प्रावधान नहीं किया गया है। तथापि, उन्हें नकद आधार पर हिसाब में लिया जाता है।

संग्रहालय के कर्मचारियों के जीपीएफ खाते अलग से तैयार किए जाते हैं और उन्हें परिशिष्ट में संलग्न किया जाता है।

....

लेखा पर टिप्पणी (2023-24):

सालार जंग संग्रहालय में कला-कृतियों की संख्या:

मदों की कुल संख्या (कला-कृति और गैर- कला-कृति) - 48,367

प्रदर्शित मदों/ कला-कृतियों की संख्या - 16,606

आरक्षित मदों/ कला-कृतियों की संख्या - 31,761

संग्रहालय अनुदान योजना के अंतर्गत 18,46,664 रुपये का अप्रयुक्त अनुदान सीएनए खाते में पड़ा है और इसे चालू वर्ष 2024-25 में सरकारी खातों में वापस जमा कर दिया जाएगा।

मूल्यह्रास:

कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची II में निर्धारित उपयोग अवधि के अनुसार लेखा पुस्तकों में मूल्यह्रास का प्रावधान किया गया है।

भारत सरकार, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2019-20 में 600 किलोवाट पावर के लिए टीएसआरईडीसीओ के माध्यम से क्रमशः 98,00,330 रुपये, 14,82,300 रुपये और 7,35,000 रुपये (सौर संयंत्र की परियोजना लागत का 30% पर) जारी की गई और इस सब्सिडी राशि को संबंधित वर्षों में 'पूंजी आरक्षित' के रूप में विचार किया गया है (अनुसूची 2 देखें) और आरक्षित राशि का हिस्सा वर्ष के लिए प्रभारित मूल्यह्रास की राशि के अनुरूप 'आय और व्यय' खाते में अंतरित किया जा रहा है।

भूमि:

अनुसूची 8 (नियत आस्ति) के अंतर्गत 10 एकड़ और 62 सेंट भूमि, जिसका मूल्य 17,95,603 रुपये है और इसमें संग्रहालय द्वारा अधिग्रहित भूमि की लागत के लिए प्रदत्त 9,43,903 रुपये की राशि और

संग्रहालय को दान की गई 8,51,700 रुपये की भूमि शामिल है।

नई पेंशन योजना से संबंधित निधि:

स्वायत्त निकायों के लिए भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशों के उत्तर में (पत्र संख्या I (13) ईवी/2008, दिनांक 30.01.2009), सालार जंग संग्रहालय ने नई पेंशन अंशदायी योजना में शामिल होने के लिए अपनी सहमति दे दी है (पत्र संख्या एसजेएम/स्थापना/एनपीएस/2009-75, दिनांक 06.04.2009) और इसे वर्ष 2009-10 से कार्यान्वित किया जा रहा है।

चालू वर्ष के दौरान नई पेंशन योजना में कर्मचारियों के अंशदान के लिए 15,38,028/- रुपए (पिछले वर्ष 10,31,251/- रुपए) की राशि वसूल की गई है और संग्रहालय द्वारा समान योगदान सहित पेंशन विनियामक प्राधिकरण में जमा कराई गई है।

निर्धारित/बंदोबस्ती निधि से अर्जित ब्याज को संबंधित निधि खातों में अंतरित कर दिया गया है। निर्धारित निधि: सालार जंग संग्रहालय को केन्द्रीय एजेंसी (सीएनए) के रूप में नियुक्त किया गया था और केनरा बैंक, मलकपेट में इसका खाता खोला गया था। संग्रहालय अनुदान योजना के अंतर्गत स्वीकृत अनुदान इस खाते में अंतरित किए गए। चूंकि ये निधियां सालार जंग संग्रहालय के मुख्य खातों का हिस्सा नहीं हैं। इस प्रकार, दिनांक 31/03/24 को शेष राशि निर्धारित निधि के रूप में और बैंक में जमा राशि "अन्य विनिर्दिष्ट खातों" के रूप में दर्शाई गई है।

पिछले वर्ष के आंकड़ों को जहां भी आवश्यक हो, पुनर्समूहित, पुनर्व्यवस्थित, पुनर्वर्गीकृत किया गया है।

रुपए के आंकडों को निकटतम रुपए में पूर्णांकित किए गए हैं और दर्शाए गए हैं।

अनुसूची द्रछ

संग्रहालय के लिए दावों को ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है और संग्रहालय के 2 नए भवनों के निर्माण के लिए सिविल संविदाकार मेसर्स एन.बी.सी.सी. ने देय राशि के लिए 200.00 लाख रुपए का दावा किया है। यह मामला विचाराधीन है। मेसर्स सोलमन राजू और अन्य ने संविदाकार द्वारा नियोजित एक मजदूर की मृत्यु के लिए संग्रहालय से 3.80 लाख रुपए के मुआवजे का दावा किया है। यह मामला विचाराधीन है।

	2. आकस्मिक देनदारियों के रूप विचार हेतु अन्य दावों का विवरण	चालू वर्ष	पिछले वर्ष
क	संग्रहालय की ओर से बैंक द्वारा खोले गए ऋण पत्र	शून्य	शून्य
ख	बैंकों द्वारा भुनाए गए बिल		
ग	आयकर/बिक्री कर के संबंध में विवादित मांगें		
घ	आदेशों के गैर-निष्पादन के लिए पक्षकारों से प्राप्त दावे, परंतु संग्रहालय के लिए विवादास्पद		
3	पूंजी प्रतिबद्धताएँ	शून्य	शून्य
	पूंजी खाते पर निष्पादित किए जाने वाले संविदा का अनुमानित मूल्य और इसके लिए प्रावधान नहीं है		
4	पट्टा दायित्व	शून्य	शून्य
	संयंत्र और मशीनरी के लिए वित्त पट्टा व्यवस्था के अंतर्गत किराये के लिए आगे की बाध्यताएं		
5	विदेशी मुद्रा लेनदेन	शून्य	शून्य
क)	सीआईएफ आधार पर गणना किए गए आयात का मूल्य:		
-	तैयार माल की खरीद		
-	कच्चा माल और घटक (पारगमन सहित)		
-	पूंजीगत माल		
-	भंडार, स्पेयर और उपभोग्य वस्तुएं		
ख)	विदेशी मुद्रा के लिए व्यय	शून्य	शून्य
-	यात्रा		
-	वित्तीय संस्थानों / बैंकों को विदेशी मुद्रा में प्रेषण और ब्याज भुगतान		
-	बिक्री पर कमीशन		
-	विधिक और व्यावसायिक व्यय		
-	विविध व्यय		
ग)	आय - एफओबी आधार पर निर्यात का मूल्य	शून्य	शून्य
6	लेखा परीक्षकों के लिए पारिश्रमिक		
	लेखा परीक्षक के रूप में / कराधान मामले प्रबंधन सेवाओं के लिए / प्रमाणन के लिए अन्य	शून्य	शून्य

दिनांक 31-3-2024 तक और उस तिथि तक समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाते से संबंधित अनुसूची 1 से 25 अनुबंध में संलग्न है जो इस तुलन पत्र का अभिन्न अंग है

संख्या. डीजीए(सी)/सीईए/यूनिट-V/एसजेएम/एसएआर:2023-24/2024-15/ दिनांक 12.11.2024

सेवा में

सचिव, संस्कृति मंत्रालय,

भारत सरकार,

नई दिल्ली-110001

महोदय,

विषय: के वर्ष 2023-24 के लेखाओं के लिए पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

वर्ष 2023-24 के लिए हैदराबाद स्थित सालारजंग संग्रहालय के लेखाओं के लिए पृथक लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन (एसएआर), एसएआर का अनुबंध और वर्ष 2023-24 के लिए संस्थान के वार्षिक लेखों की एक प्रति संसद के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए एतदद्वारा इसके साथ भेजी जा रही है। कृपया संसद के दोनों सदनों में पृथक लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन प्रस्तुत करने की तिथियों की सूचना दी जाएं।

कृपया इस पत्र तथा संलग्नकों की पावती अवश्य दें।

संलग्नक: यथोक्त

भवदीया,

(हेमा मुनिवेंकटप्पा)

महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय)

हैदराबाद

दिनांक 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए हैदराबाद स्थित सालारजंग संग्रहालय के लेखाओं पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट

हमने सालारजंग संग्रहालय अधिनियम, 1961 की धारा 21 के साथ पठित नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियां और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19(2) के तहत दिनांक 31 मार्च 2024 तक सालारजंग संग्रहालय, हैदराबाद की संलग्न तुलन पत्र, उस तिथि को समाप्त वर्ष की आय और व्यय संबंधी लेखाओं और प्राप्तियां और भुगतान से संबंधित लेखाओं का लेखा-परीक्षा किया है। ये वित्तीय विवरण संग्रहालय के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी जिम्मेदारी अपनी लेखा-परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर राय व्यक्त करना हैं।

2. इस पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखांकन कार्यप्रणालियों के अनुरूपता, लेखांकन मानकों और प्रकटीकरण मानदंडों आदि के संबंध में लेखांकन शोधन हेतु भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियां शामिल हैं। विधि, नियमावली और विनियमन (औचित्य और नियमितता) और दक्षता-सह-निष्पादन पहलुओं आदि के अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेनदेन से संबंधित लेखापरीक्षा टिप्पणियां, यदि कोई हों, तो निरीक्षण प्रतिवेदन/सीएजी की लेखापरीक्षा प्रतिवेदन के माध्यम से विशेष रूप से प्रस्तुत किए जाते हैं।

3. हमने अपना लेखा-परीक्षा भारत में सामान्य तौर पर स्वीकृत लेखांकन मानकों के अनुसार किया है। इन मानकों के लिए यह आवश्यक है कि हम इस बारे में समुचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखा-परीक्षा की योजना तैयार करें और उसका निष्पादन करें कि वित्तीय विवरण भौतिक गलतबयानी से मुक्त हैं या नहीं। लेखा-परीक्षा में परीक्षण के आधार पर, वित्तीय विवरणों में राशियों और प्रकटीकरण का समर्थन करने वाले साक्ष्यों की जांच शामिल है। लेखा-परीक्षा में उपयोग किए गए लेखांकन सिद्धांतों और प्रबंधन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण अनुमानों का आकलन करने के साथ-साथ वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल है। हमे विश्वास है कि यह लेखा-परीक्षा हमारी सम्मति के लिए उचित आधार प्रदान करता है।

4. हमारे लेखा-परक्षा के आधार पर, हम यह प्रस्तुत करते हैं कि:

i. हमने वे सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारे लेखा-परीक्षा के उद्देश्य से आवश्यक थे;

ii. इस रिपोर्ट से संबंधित तुलन पत्र, आय और व्यय संबंधी लेखा और प्राप्तियां और भुगतान लेखा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा अनुमोदित प्रारूप में तैयार किया गया है।

iii. हमारी राय में, संग्रहालय द्वारा लेखाओं की समुचित बही और अन्य प्रासंगिक रिकॉर्ड बनाए गए हैं।

iv. हम इसके अतिरिक्त यह रिपोर्ट करते हैं कि:

1.4 लेखाओं पर टिप्पणी:

क. तुलन पत्र

क.1 आस्ति - 52.32 करोड़ रुपये

क.1.1 नियत आस्ति- 47.20 करोड़ रुपये (अनुसूची-8)

संदर्भ संख्या: ओबीएस-1494591

कज्ञज्ञज्ञ इसमें 57,86,230 रुपये की राशि शामिल नहीं है, जो दो नए 110 टन चिलर की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग पर किया गया व्यय है (वर्ष 2023-24 में किया गया व्यय 21,45,625 रुपये और वर्ष 2022-23 में किया गया व्यय 36,40,605 रुपये)। इसे पूंजीगत व्यय के रूप में विचार करने के बजाय अन्य प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 21) के अंतर्गत बूक किया गया था। इसके परिणामस्वरूप अनुसूची-8 के अंतर्गत नियत आस्तियों में 57,86,230 रुपये की कमी और अनुसूची-21 के अंतर्गत अन्य प्रशासनिक व्यय में 21,45,625 रुपये की वृद्धि दर्शाया गया है।

हालांकि, वर्ष 2022-23 की पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में यह बात सामने आई है कि व्यय के गलत प्रबंधन के कारण प्रगतिशील कार्य को कम दर्शाया गया और अन्य प्रशासनिक व्यय को 36.41 लाख रुपये से अधिक बताया गया, फिर भी व्यय को पूंजीगत व्यय के बजाय राजस्व के रूप में विचार किया गया।

संदर्भ संख्या: ओबीएस-1513730

कज्ञज्ञद्ध इसमें 5,03,328 रुपये शामिल नहीं है, जिसमें कि सतत कार्य "सरलारजंग संग्रहालय में पश्चिमी ब्लॉक ग्राउंड फ्लोर प्रवेश और केंद्र फ़ोयर में दीवार पैनलिंग बढ़ई से संबंधित कार्य" के लिए किया गया भुगतान शामिल है। इसे अनुसूची-21 अन्य प्रशासनिक व्यय के तहत राजस्व व्यय के रूप में गलत तरीके से वर्गीकृत किया गया है। इसके परिणामस्वरूप प्रगतिशील कार्य (अनुसूची 8) को कम

करके दिखाया गया और अन्य प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 21) में 5,03,328 रुपये अधिक करके दर्शाया गया।

ख. आय और व्यय लेखा

ख.1 अन्य प्रशासनिक व्यय-6.34 करोड़ रुपये (अनुसूची 21)

संदर्भ संख्या: ओबीएस-1508722

इसमें नीचे दिए गए विवरण के अनुसार निम्नलिखित व्यय के लिए 12,99,200 रुपये शामिल है। संस्थान ने इस राशि को पूर्व अवधि व्यय के अंतर्गत प्रदर्शित करने के बजाय चालू वर्ष के व्यय के अंतर्गत दर्ज किया था। संस्थान ने आय और व्यय के अंतर्गत पूर्व अवधि व्यय को 'शून्य' दर्शाया था। इसके परिणामस्वरूप पूर्व अवधि के व्यय को कम करके दर्शाया गया तथा अन्य प्रशासनिक व्यय को 12,99,200 रुपये अधिक करके दर्शाया गया।

वाऊचर सं	चालान अवधि	भुगतान की गई राशि (पूर्व अवधि व्यय) रुपये में
ज्ञधरज्ञध(द्ध(द्दध	मार्च 2023 के लिए जतन कार्य	25000
94/8-5-23	मार्च 2023 के लिए बिजली बिल	164997
208/30-5-23	मार्च 2023 के लिए श्रमिकों को भुगतान	34571
215/30-5-23	मार्च 2023 के लिए डीजी सेट का एएमसी संचालन	46749
7/13-4-23	मार्च, 2023 के लिए परामर्श शुल्क	35000
28/19-4-23	फरवरी 2023 से मार्च, 2023 के महीने के लिए समाचार पत्र शुल्क	4610
29/19-4-23	दिसंबर 2022 से मार्च, 2023 तक के महीने के लिए समाचार पत्र शुल्क	3032
189/30-5-23	मार्च, 2023 के महीने के लिए ऑडियो गाइड शुल्क	103244
938/23-9-23	वर्ष 2022-23 के लिए सीआईएसएफ के हथियार और गोला-बारूद और पोशाक की लागत	790454

वाऊचर सं	चालान अवधि	भुगतान की गई राशि (पूर्व अवधि व्यय) रुपये में
182/30-5-23	दिनांक 23-11-2022 से दिनांक 22-5-2023 तक एक्सरे बैगेज के लिए एएमसी (कुल 108412 रुपये)	90343
110/2-5-23	मार्च के लिए दूरभाष शुल्क 2023	1200
	कुल	12,99,200

ग. सामान्य

संदर्भ संख्या: ओबीएस-1506787

ग ज्ञ संग्रहालय, यदि पात्र हो, तो आयकर विभाग से अपनी आय में छूट हेतु छूट प्रमाण-पत्र प्राप्त कर सकता है।

संदर्भ संख्या: ओबीएस-1504780

ग द्व संग्रहालय को बाल एजेंसी के रूप में सीएनए के अंतर्गत संग्रहालय अनुदान योजना के तहत आभासी अनुभवात्मक संग्रहालय की स्थापना के लिए 33.00 लाख रुपये प्राप्त हुई थी, जो निर्धारित निधि की प्रकृति के रूप में प्राप्त हुई थी। इस योजना के लिए 14.53 लाख रुपये की राशि व्यय की गई, जिसमें से 18.47 लाख रुपये की शेष राशि शेष है।

संग्रहालय ने इन निधियों को आई एंड ई लेखाओं के माध्यम से भेजा था, जो लेखांकन शोधन के अनुरूप नहीं है।

निर्धारित निधियों के लेन-देन को केवल अनुसूची 3 के माध्यम से भेजा/प्रतिबंधित किया जाना चाहिए।

संदर्भ संख्या: ओबीएस-1516791

ग.3 क) कर्मचारियों को देय ग्रेच्युटी और छुट्टी नकदीकरण के लिए वर्ष 2023-24 के वार्षिक लेखा में कोई प्रावधान नहीं किया गया, हालांकि एसएआर 2022-23 में इसका उल्लेख किया गया था।

ख) एसजेएम में जीपीएफ लेखाओं से संबंधित पृथक आय और व्यय संबंधी लेखा तैयार नहीं किया गया था, हालांकि एसएआर 2022-23 में इसका उल्लेख किया गया था।

घ. सहायता अनुदानः वर्ष के दौरान पिछले वर्ष के 0.28 करोड़ रुपये के प्रमाणित अप्रयुक्त शेष सहित प्राप्त कुल सहायता अनुदान 25.55[1] करोड़ रुपये था, जो कुल मिलाकर 25.83 करोड़ रुपये है। संस्थान ने दिनांक 31 मार्च 2024 तक 25.65[2] करोड़ रुपये की राशि का उपयोग किया तथा 0.18 करोड़ रुपये का उपयोग नहीं किया गया।

ङ. प्रबंधन पत्रः जिन कमियों को पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में शामिल नहीं किया गया है, उन्हें सुधारात्मक/संशोधन कार्रवाई हेतु पृथक से जारी प्रबंधन पत्र के माध्यम से निदेशक, सालारजंग संग्रहालय, हैदराबाद के ध्यान में लाया गया है।

पूर्ववर्ती पैराग्राफों में की गई हमारी टिप्पणियों के अध्यधीन, हम यह रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट में शामिल तुलन-पत्र, आय एवं व्यय संबंधी लेखा तथा प्राप्तियां एवं भुगतान संबंधी लेखा, लेखा बही के अनुरूप हैं।

V. हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उक्त वित्तीय विवरण, लेखांकन नीतियों और लेखा टिप्पणियों के साथ पढ़े जाने वाले तथा ऊपरोल्लिखित महत्वपूर्ण मामलों और इस लेखापरीक्षा प्रतिवेदन के अनुबंध में उल्लिखित अन्य मामलों के अध्यधीन, भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप यथार्थ और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं:

क. जहां तक यह दिनांक 31 मार्च 2024 तक हैदराबाद के सालारजंग संग्रहालय की तुलन-पत्र की स्थिति से संबंधित है; तथा

ख. जहां तक यह उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए घाटे के आय और व्यय संबंधी लेखाओं से संबंधित है।

(हेमा मुनिवेंकटप्पा)

महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय)

हैदराबाद

---

[1] *पूंजी अनुदान -₹1,00,00,000, वेतन अनुदान -₹13,20,00,000, सामान्य अनुदान-₹11,00,00,000 और स्वच्छ भारत अनुदान - ₹2,00,000, आभासी अनुभवात्मक संग्रहालय अनुदान-₹33,00,000*

[2] *पूंजी अनुदान -₹1,00,00,000, वेतन अनुदान- ₹13,20,00,000, सामान्य अनुदान - ₹11,28,00,000 और स्वच्छ भारत अनुदान - ₹2,00,000, आभासी अनुभवात्मक संग्रहालय अनुदान-₹14,53,336*

एसएआर का अनुबंध

1. आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता: आंतरिक लेखापरीक्षा चार्टर्ड अकाउंटेंट फर्म द्वारा आयोजित की गई थी।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता: आंतरिक नियंत्रण प्रणाली पर्याप्त नहीं है क्योंकि संग्रहालय आयकर विभाग से अपनी आय की छूट के लिए, यदि पात्र हो तो, छूट प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है और उप-एजेंसियों को संग्रहालय अनुदान योजना को लागू करने के लिए मंत्रालय द्वारा सालारजंग संग्रहालय को जारी किए गए अनुदानों का प्रारंभिक शेष, परिवर्धन, अर्जित ब्याज और इति शेष स्पष्ट रूप से प्रदर्शित नहीं किया गया था। 1,19,69,175 रुपये का अप्रयुक्त शेष केवल अनुसूची 3- निर्धारित/बंदोबस्ती निधि के रूप में दर्शाया गया है।

3. नियत आस्तियों के वास्तविक सत्यापन प्रणाली: वर्ष 2023-24 के लिए नियत आस्तियों का वास्तविक सत्यापन किया गया है।

4. वस्तु-सूची का वास्तविक सत्यापन प्रणाली: वर्ष 2023-24 के लिए वस्तु-सूची का वास्तविक सत्यापन किया गया है।

5. सांविधिक बकाया राशि के भुगतान में नियमितता: सांविधिक बकाया राशि का नियमित रूप से भुगतान किया गया।

(सीएच वी. साई प्रसाद)

निदेशक/केन्द्रीय व्यय लेखापरीक्षा
प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय) का कार्यालय

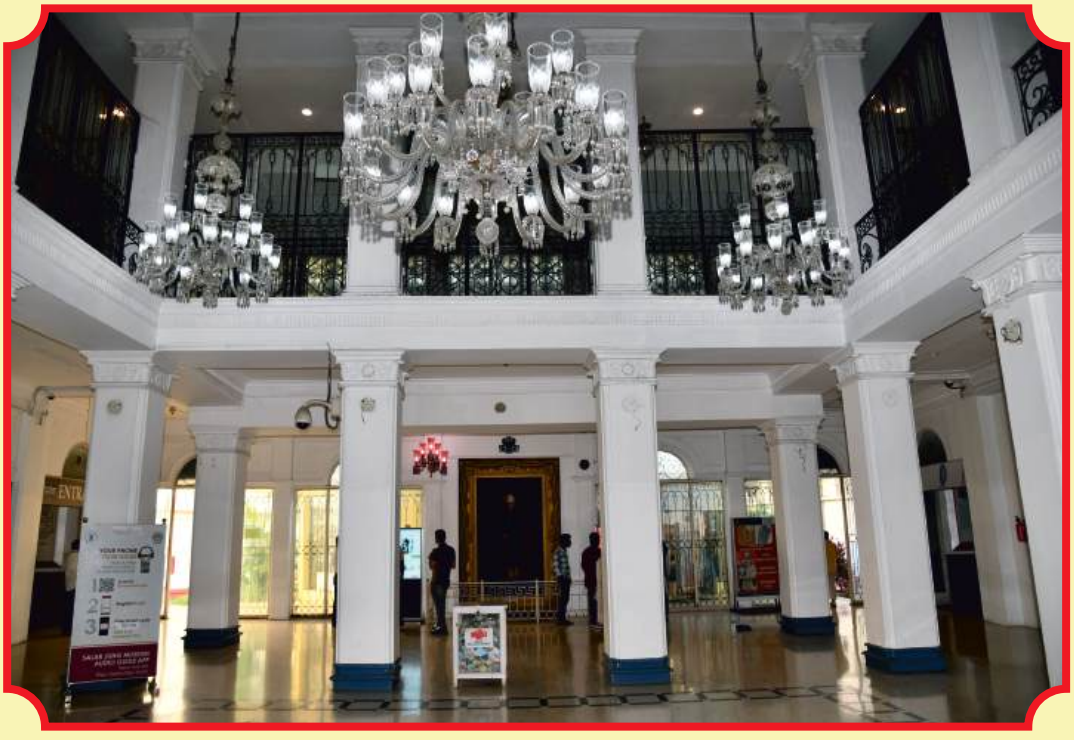

सालार जंग संग्रहालय
हैदराबाद